आर.एन.आई नं. 69777/98 / डाक पंजीयन-मालवा डिवीजन/328/2020-22

दैनिक
हिन्दकुश

hindkush.in jagrayam.com

वर्ष - 27 | अंक - 281 | उज्जैन, रविवार 31 अगस्त 2025 | कुल पृष्ठ - 8, | कीमत -1 रुपया

ग्वालियर पर्यटन कॉन्क्लेव में मिले साढ़े तीन हजार करोड़ के निवेश प्रस्ताव- मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि पर्यटन किसी भी देश की अर्थव्यवस्था की मजबूती में बड़ी अहम भूमिका निभाता है। पर्यटन से राष्ट्रीय आय तो बढ़ती ही है, साथ ही बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर भी सृजित होते हैं। पर्यटन और तीर्थाटन, ये हमारे देश और विशेषकर मध्यप्रदेश की समृद्धि के प्रमुख प्रवेश द्वार हैं। मध्यप्रदेश, देश का दिल है। प्रदेश की वैश्विक पहचान को नई ऊंचाइयों तक ले जाने के लिए ही पर्यटन विकास को विशेष महत्व दिया जा रहा है। राज्य सरकार समावेशी प्रयासों के जरिए समाज के सभी वर्गों को जोड़कर पर्यटन क्षेत्र के विस्तार और संवर्धन के लिए लगातार कार्य कर रही है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि ग्वालियर पर्यटन कॉन्क्लेव में साढ़े तीन हजार करोड़ के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। पर्यटन क्षेत्र में निवेश को बढ़ावा देने के लिए 6 निवेशकों को लैटर ऑफ अलॉटमेंट प्रदाय किये गये, इससे 60 करोड़ से अधिक का निवेश और बड़ी संख्या में रोजगार सृजन होगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव शनिवार को ग्वालियर के राजमाता विजया राजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित दो दिवसीय रीजनल टूरिज्म कान्क्लेव को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश की सांस्कृतिक, ऐतिहासिक और धार्मिक धरोहरें विश्व स्तर पर आकर्षण का केंद्र हैं। इनके संरक्षण और प्रचार-प्रसार से प्रदेश न केवल आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनेगा, बल्कि 'आत्मनिर्भर, विकसित और समृद्ध भारत' के लक्ष्य को भी मजबूती मिलेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में आज राष्ट्रीय लघु उद्योग दिवस मनाया जा रहा है। इस शुभ अवसर पर ग्वालियर में पहली बार रीजनल टूरिज्म कॉन्क्लेव हो रहा है। ग्वालियर देश की राजधानी के करीब का क्षेत्र है।

50 हथियार भी नहीं दागे और गिड़गिड़ाने लगा पाकिस्तान, सीजफायर को लेकर एयर मार्शल ने खोल दी सारी पोल

नई दिल्ली (एजेंसी)। पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान और गुलाम कश्मीर में स्थित आतंकी ठिकानों पर एयरस्ट्राइक कर तबाह कर दिया था। इसके बौखलाए पाकिस्तान ने भारत पर ताबड़तोड़ मिसाइलें दागने का दुस्साहस किया, लेकिन जवाबी हमले से कुछ ही दिन में वह घुटने पर आ गया।

अब वायुसेना के उप प्रमुख ने ऑपरेशन सिंदूर से जुड़े कुछ नए विवरण साझा किए हैं। उन्होंने कहा कि भारतीय वायुसेना में पाकिस्तान पर 50 हथियार भी नहीं दागे और वह सीजफायर के लिए गिड़गिड़ाने लगा। एयर मार्शल ने बात-बात पर गीदड़भभकी देने वाले पाकिस्तान की सारी कलई खोल कर रख दी।

समाचार चैनल एनडीटीवी के कार्यक्रम डिफेंस समिट 2025 में एयर मार्शल नर्मदेश्वर तिवारी ने कहा कि पाकिस्तान को सीजफायर की मेज पर लाने के लिए 50 से भी कम हथियार दागने पड़े। उन्होंने कहा, युद्ध शुरू करना बहुत आसान है। लेकिन उसे खत्म करना आसान नहीं है। यह बात ध्यान में रखनी होती है कि हमारी फोर्स सक्रिय रहे, तैनात रहे और किसी भी संभावित स्थिति से निपटने के लिए तैयार रहे।

पहले दिन थोड़ी टेंशन हुई, लेकिन..., ऑपरेशन सिंदूर पर रक्षा सचिव का बड़ा बयान

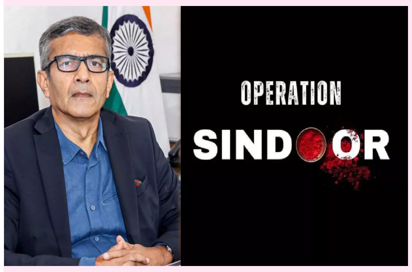

नई दिल्ली (एजेंसी)। पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारतीय सेना के द्वारा चलाया गया ऑपरेशन सिंदूर लगातार सूर्खियां बटोर रहा है। सेना के शौर्य की गूंज देश-विदेश तक सुनाई दे रही है। रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह के अनुसार, ऑपरेशन सिंदूर को लेकर सेना का हर एक सैनिक पहले से कॉन्फिडेंट था कि हम दुश्मन पर भारी पड़ने वाले हैं।

रक्षा सचिव राजेश सिंह ने बताया कि पहलगाम हमले के लिए जब हमने ऑपरेशन सिंदूर शुरू करने का फैसला किया, तो पहले दिन हमें कुछ मुश्किलों का सामना करना पड़ा। मगर, इसके बाद हर सुबह के साथ हम बेहतर होते गए। उस दौरान मैंने टैनिस खेला था, जिसके कारण मुझे उतना तनाव महसूस नहीं हुआ।

एनडीटीवी की डिफेंस समिट में शिरकत करते हुए रक्षा सचिव राजेश सिंह ने ऑपरेशन सिंदूर के कई बिंदुओं पर बातचीत की। इस दौरान रक्षा सचिव ने बताया कि शुरुआत में उन्हें भी वॉर रूम में जाने की अनुमति नहीं थी।

कीमती पत्थर से बना बॉउल, चांदी की चॉपस्टिक और... जापान के प्रधानमंत्री को PM मोदी ने दिए अनोखे गिफ्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जापान की यात्रा पर हैं। इस दौरान पीएम मोदी की मुलाकात जापान के प्रधानमंत्री शिगेरू इशिबा से हुई। पीएम मोदी ने जापान के पीएम और उनकी पत्नी को कुछ खास तोहफे भी दिए हैं।

पीएम मोदी ने जापानी पीएम को कीमती पत्थर से बना रेमन बॉउल और चांदी की चॉपस्टिक गिफ्ट की है। साथ ही शिगेरू की पत्नी को पीएम मोदी ने पश्मीना शॉल तोहफे में दी है।

अधिकारियों के अनुसार, पीएम मोदी ने शिगेरू को जो बॉउल और चॉपस्टिक भेंट की है, वो भारतीय कारीगरी और जापानी परंपरा का अद्भुत मिश्रण है। इसमें भूरे रंग का एक बड़ा मूनस्टोन बॉउल और 4 छोटे-छोटे बाउल मौजूद हैं। इसके अलावा बॉक्स में चांदी की 2 चॉपस्टिक भी देखी जा सकती है। पीएम मोदी का यह गिफ्ट जापान के डोनबुरी और सोबा परंपरा की झलक पेश करते हैं।

पश्मीना शॉल- पश्मीना शॉल की बात करें तो यह एक ऊनी शॉल है, जिसे लद्दाख की चांगथांगी बकरी के बालों से बनाया जाता है। यह शॉल दुनियाभर में अपने हल्के वजन, मुलायम कपड़े और गर्माहट के लिए मशहूर है। कश्मीरी कारीगर हाथों से इस शॉल को तैयार करते हैं। महंगी और कीमती होने के कारण पश्मीना शॉल को राजशाही का प्रतीक माना जाता है।

भारत किसी को दुश्मन नहीं मानता, राजनाथ सिंह ने अमेरिका को सुना दी खरी-खरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत पर ट्रंप द्वारा थोपे जा रहे टैरिफ और रूस से कच्चा तेल न खरीदने के लिए बन रहे दबाव के बीच रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने अमेरिका को स्पष्ट शब्दों में जवाब दे दिया है। राजनाथ सिंह ने कहा है कि भारत किसी को अपना दुश्मन नहीं मानता। उन्होंने कहा कि कोई स्थायी दोस्त या दुश्मन नहीं होता है, केवल स्थायी हित होते हैं। राजनाथ सिंह ने ये भी कहा कि भारत के लिए अपने किसानों और अपने उद्यमियों का हित ही सबसे महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि आत्मनिर्भरता केवल लाभ नहीं, बल्कि एक जरूरत बन गई है।

दरअसल राजनाथ सिंह समाचार चैनल एनडीटीवी के डिफेंस समिट 2025 के कार्यक्रम में पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने कई अहम टिप्पणियां कीं। उन्होंने कहा कि आज दुनिया इतनी तेजी से बदल है कि हर दिन हमारे सामने नई चुनौतियां आकर खड़ी हो जाती हैं। राजनाथ सिंह ने कहा कि आत्मनिर्भरता को पहले केवल विशेषाधिकार के रूप में देखा जाता था, लेकिन आज यह अस्तित्व बनाए रखने और प्रगति के लिए शर्त है। उन्होंने कहा कि आत्मनिर्भरता हमारी अर्थव्यवस्था और हमारी सुरक्षा दोनों के लिए आवश्यक है।

ऑपरेशन सिंदूर का जिक्र करते हुए राजनाथ ने कह कि कुछ दिनों का यह युद्ध भले ही भारत की जीत और पाकिस्तान की हार बयां करता हो, लेकिन इसके पीछे वर्षों की रणनीतिक तैयारी छिपी है।

बेटी का गला घोंटकर मार डाला, फिर मुंह में डाल दिया कीटनाशक

नई दिल्ली (एजेंसी)। कर्नाटक में एक व्यक्ति पर अपनी बेटी का गलो घोंटकर मारने का आरोप है। बताया जा रहा है कि बेटी का संबंध दूसरे समुदाय के एक युवक के साथ था और पिता इससे खुश नहीं था। इसके बाद उसने अपनी बेटी की हत्या का प्लान तैयार किया था। पिता ने पहले अपनी बेटी का गला घोंटकर मार दिया और फिर इसे सुसाइड का रूप देने की कोशिश की। उसने अपनी बेटी की मौत के बाद उसके मुंह में जबरदस्ती कीटनाशक डाल दिया, जिससे यह आत्महत्या का मामला लगे।

भारत की अगुआई वाले ब्रिक्स ने जी-7 को पीछे छोड़ा, US के इस दिग्गज अर्थशास्त्री ने डोनाल्ड ट्रंप को चेताया

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत की अगुआई वाले ब्रिक्स ने वैश्विक उत्पादन के मोर्चे पर अमेरिका के प्रभुत्व वाले संगठन जी-7 को पीछे छोड़ दिया है। ब्रिक्स देशों की वैश्विक उत्पादन में हिस्सदारी 35 प्रतिशत हो गई है। वहीं, जी 7 का वैश्विक उत्पादन में योगदान 28 प्रतिशत है।

अमेरिका के जाने-माने अर्थशास्त्री रिचर्ड वूल्फ ने चेताया है कि वैश्विक आर्थिक व्यवस्था में बड़ा बदलाव आ रहा है और अमेरिका के दबाव के बावजूद भारत का रूस से तेल खरीदारी जारी रखना यह दिखाता है कि शक्ति का संतुलन अब अमेरिका से हट कर ब्रिक्स देशों की ओर झुक रहा है। अमेरिका की टैरिफ नीति ब्रिक्स को मजबूत और एकजुट बना रही है।

अमेरिका पर बढ़ा कर्ज का बोझ- वूल्फ ने एक पॉडकास्ट में कहा कि चीन ने यूएस ट्रेजरी बॉन्ड में हिस्सेदारी घटा दी है क्योंकि अमेरिका का कुल कर्ज 36 लाख करोड़ डॉलर हो गया है। कर्ज का बोझ डॉलर के लिए गंभीर चुनौतियां पेश कर सकता है। अगर कर्ज बढ़ने का ट्रेंड जारी रहता है तो अमेरिका के लिए कर्ज महंगा हो जाएगा या उसे घरेलू खर्च में कटौती करनी पड़ेगी। इससे अमेरिका की ग्लोबल लीडर के तौर पर स्थिति कमजोर होगी।

ब्रिक्स को मजबूत बना रहे हैं ट्रंप- अमेरिकी अर्थशास्त्री ने भारत के खिलाफ अमेरिकी टैरिफ को अप्रभावी रणनीति बताया है, जो भारत और दूसरे ब्रिक्स देशों को और करीब ला रही है। उन्होंने कहा कि ट्रंप की नीतियां ब्रिक्स को और बड़ा, ज्यादा एकजुट और पश्चिम की तुलना में सफल आर्थिक विकल्प बना रही हैं।

ट्रंप ने ब्राजील और भारत पर लगाया है सबसे ज्यादा टैरिफ- अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ब्रिक्स देशों ब्राजील और भारत पर सबसे अधिक टैरिफ लगाएं हैं। दोनों देशों ने टैरिफ को अनुचित बताया है। चीन भी ट्रंप द्वारा अपनी बात मनवाने के लिए व्यापार को हथियार के तौर पर इस्तेमाल करने का विरोध कर रहा है। उधर रूस भी अमेरिका और पश्चिमी देशों की दूसरे देशों पर दबाव बनाने की नीतियों की आलोचना कर चुका है। यह चारो देश ब्रिक्स के संस्थापक सदस्य हैं। ट्रंप की नीतियों से वैश्विक परिदृश्य अनिश्चित हो गया है, ऐसे में ब्रिक्स देश आपसी सहयोग और मजबूत कर सकते हैं।

ब्रिक्स अग्रणी उभरती अर्थव्यवस्था वाले देशों का वैश्विक संगठन है, ब्राजील, रूस, भारत और चीन इसके संस्थापक सदस्य हैं।

ट्रंप को कोर्ट से झटका... अदालत ने टैरिफ को बताया मनमाना, अब क्या हैं अमेरिकी राष्ट्रपति के पास विकल्प?

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को फेडरल अपील कोर्ट ने तगड़ा झटका दे दिया है। अदालत ने फैसला सुनाया है कि राष्ट्रपति को हर देश पर व्यापक टैरिफ लगाने का कोई कानूनी अधिकार नहीं है। अदालत ने माना कि डोनाल्ड ट्रंप ने अपने इमरजेंसी पावर लॉ का अतिक्रमण किया है।

हालांकि कोर्ट ने ट्रंप के टैरिफ पर कोई रोक नहीं लगाई है। इससे अमेरिकी प्रशासन को मामले को सुप्रीम कोर्ट में ले जाने का समय मिल गया है। फेडरल अपील कोर्ट ने चीन, मेक्सिको और कनाडा समेत अप्रैल में अन्य देशों पर लगे टैरिफ पर यह फैसला दिया है। फेडरल कोर्ट ने 7-4 के फैसले में कहा ऐसा नहीं लगता कि कांग्रेस का इरादा राष्ट्रपति को टैरिफ लगाने का असीमित अधिकार देने का था।

पिछले फैसले को लगभग बरकरार रखा- दरअसल अमेरिकी प्रशासन ने तर्क दिया था कि तत्कालीन राष्ट्रपति रिचर्ड निक्सन को टैरिफ के आपातकालीन उपयोग मंजूरी दी गई थी। लेकिन मई में न्यूयॉर्क स्थित अमेरिकी अंतर्राष्ट्रीय व्यापार न्यायालय ने इस तर्क को खारिज कर दिया। अदालत ने कहा था कि ट्रंप द्वारा लगाए गए टैरिफ आपातकालीन शक्ति कानून के तहत राष्ट्रपति को दिए गए किसी भी अधिकार से अधिक हैं।

अब फेडरल अपीलीय अदालत ने भी उस फैसले को काफी हद तक बरकरार रखा। इस जजों के बीच की असहमति ने ट्रंप के लिए कुछ कानूनी रास्ते भी खोल दिए हैं। ट्रंप सरकार ने यह भी तर्क दिया है कि अगर टैरिफ हटा दिया जाता है, तो उसे वसूले गए कुछ आयात वापस करने पड़ सकते हैं, जिससे अमेरिकी खजाने को आर्थिक नुकसान होगा।

रूस का यूक्रेन पर बड़ा हमला, 500 ड्रोन और 45 मिसाइलों से मचायी तबाही; धुआं-धुआं हुए शहर

नई दिल्ली (एजेंसी)। रुस ने शुक्रवार रात से लेकर शनिवार सुबह तक यूक्रेन पर बड़े पैमाने पर हमला किया है। इस हमले में एक व्यक्ति की मौत हो गई और 24 लोग घायल हो गए। घायलों में तीन बच्चे भी शामिल हैं।

अधिकारियों के अनुसार, मिसाइल और ड्रोन हमलों से कई शहरों की इमारतें और जरूरी ढांचे बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने बताया कि यह हमला 14 अलग-अलग जगहों पर हुआ।

कितने ड्रोन और मिसाइलों से हुआ हमला- उन्होंने बताया कि हमले के दौरान करीब 540 ड्रोन और 45 मिसाइलें दागी गई। जापोरिज्झिया शहर में पांच मंजिला इमारत पर सीधा हमला हुआ, जिससे बिजली कट गई और 25 हजार लोग अंधेरे में रहने को मजबूर हो गए।

स्थानीय गवर्नर इवान फेदोरोव ने बताया कि धमाकों से इलाके में कई जगह आग लग गई और बच्चे समेत दर्जनों लोग घायल हो गए। जेलेंस्की ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर कहा, एक बार फिर आम लोगों के घरों को निशाना बनाया गया है। बच्चे समेत कई लोग घायल हो गए। कई जगहों पर आपात सेवाएं राहत और बचाव कार्य में जुटी है।

किन-किन चीजों को हुआ ज्यादा नुकसान- रूसी हमले में सबसे ज्यादा नुकसान घरों, दुकानों और नागरिक ढांचों को हुआ है। वोलिन, डोनबास, खार्किव, कीव समेत 14 क्षेत्रों में हमले की खबरें आई हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि रूस ने कूटनीतिक बातचीत के लिए तय समय का इस्तेमाल हमले की तैयारी में किया।

ट्रंप को एक और झटका, US कोर्ट ने पहले टैरिफ पर लगाई रोक

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को अमेरिकी कोर्ट से फिर एक बार झटका लगा है। टैरिफ को गैरकानूनी बताने के बाद अमेरिकी न्यायालय ने ट्रंप के फास्ट ट्रैक डिपोर्टेशन की आलोचना की है। कोर्ट का कहना है कि ट्रंप का यह फैसला अप्रवासियों के अधिकारों का हनन है।

वाशिंगटन डीसी की जिला जज जिया कॉब के अनुसार, जनवरी में ट्रंप प्रशासन ने अप्रवासियों को बाहर निकालना शुरू किया था। इसके तहत अप्रवासियों को कहीं भी गिरफ्तार कर लिया जाता है।

जज ने क्या कहा- जस्टिस जिया के अनुसार, अप्रवासियों को पहले भी चिह्नित करके बाहर निकाला जाता था। मगर, जनवरी के बाद यह प्रक्रिया तेज हो गई। जिन लोगों के पास अमेरिका की नागरिकता नहीं है और न ही उनके पास यह प्रमाण है कि वो 2 साल से अमेरिका में रह रहे हैं, उन्हें फौरन गिरफ्तार कर लिया जाता है।

जस्टिस कॉब ने कहा- पांचवें संशोधन के तहत अप्रवासियों को भी अधिकार मिले हैं। मगर ट्रंप प्रशासन के इस फैसले से उनकी स्वतंत्रता को गहरा अघात लगा है। हर चीज से परे सिर्फ अप्रवासियों को किसी भी तरह देश से बाहर करने पर फोकस करना सही नहीं है।

US की एअरलाइन स्काईवेस्ट की सभी उड़ानों पर लगी रोक, तकनीकी खराबी के कारण लिया गया फैसला

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी एअरलाइन स्काई वेस्ट की सभी उड़ानों को कुछ समय के लिए रोक दिया गया है। खबर है कि तकनीकी खराबी के कारण ये फैसला लिया गया है। अमेरिका की सबसे बड़ी क्षेत्रीय एयरलाइन ने बताया कि शुक्रवार रात एक तकनीकी समस्या सामने आई थी।

एहतियात के तौर पर इस एअरलाइन की सभी उड़ानों को फिलहाल रोक दिया गया है। अमेरिकी संघीय विमानन प्रशासन के अनुसार, स्काईवेस्ट के अनुरोध पर 0149 GMT पर उड़ान रोकने की सलाह जारी की गई और 0210 GMT पर रद कर दी गई।

सामने आया एअरलाइन का बयान- बता दें कि इस संबंध में एअरलाइन की ओर से बयान भी जारी किया गया है। बयान में बताया गया कि स्काईवेस्ट में आज शाम एक संक्षिप्त तकनीकी समस्या आई, जिसे अब ठीक कर लिया गया है।

बयान में आगे कहा गया कि सभी प्रणालियों को बहाल कर दिया गया है और हम सामान्य परिचालन फिर से शुरू करने के लिए किसी भी देरी को कम करने के लिए काम कर रहे हैं।

सिंगापुर में भारतीय नागरिक को 2 साल की जेल, देना होगा लाखों का जुर्माना; क्या है पूरा मामला?

नई दिल्ली (एजेंसी)। सिंगापुर में एक भारतीय नागरिक को 2 साल की जेल और लाखो रुपये जुर्माने की सजा सुनाई गई है। सिंगापुर की अदालत ने शुक्रवार को एक सड़क हादसे मामले में सुनवाई के दौरान यह फैसला दिया।

2023 में एक सड़क हादसे के दौरान नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ सिंगापुर के वरिष्ठ लॉ प्रोफेसर की मौत हो गई थी। इस हादसे के आरोपी नटराजन मोहनराज को कोर्ट ने दोषी करार देते हुए सजा सुनाई है।

अदालत ने सुनाई सजा- सिंगापुर की अदालत ने नटराजन को 2 साल 1 महीने की सजा दी है। साथ ही उन्हें 2000 सिंगापुर डॉलर (लगभग 1 लाख 37 हजार रुपये) जुर्माना देने का भी आदेश दिया गया है।

यह हादसा 7 जुलाई 2023 को हुआ था। 28 वर्षीय नटराजन मोहनराज ने फोन में देखते हुए गाड़ी चला रहे थे। तभी उन्होंने अपनी लॉरी से प्रोफेसर की कार को टक्कर मार दी। यह टक्कर इतनी तेज थी कि प्रोफेसर के शरीर में कई फैक्चर हो गए और वो कार में बुरी तरह से फंस गए थे।

हादसे के बाद सिंगापुर सिविल डिफेंस फोर्स ने 1 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद प्रोफेसर को कार से बाहर निकाला। प्रोफेसर को अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

ट्रैफिक पुलिस ने दी थी चेतावनी- इस हादसे से पहले भी नटराजन के खिलाफ लापरवाही की कई शिकायतें दर्ज हो चुकी हैं। जून 2023 में सिंगापुर ट्रैफिक पुलिस ने नटराजन को चेतावनी जारी करते हुए 25 जुलाई तक अपना लाइसेंस जमा करने का आदेश दिया था। मगर, इससे पहले ही यह हादसा हो गया।

जब अमेरिका और सोवियत संघ के बीच होने वाला था परमाणु युद्ध, हॉटलाइन संचार से कैसे टला WW 3 का खतरा?

नई दिल्ली (एजेंसी)। अक्टूबर 1962... अमेरिका और सोविय संघ के बीच शीतयुद्ध अपने चरम पर था। इसी बीच सोवियत संघ ने अमेरिका के पास मौजूद क्यूबा में परमाणु मिसाइल तैनात कर दिए। इस घटना से पूरी दुनिया में हड़कंप मच गया। अमेरिका भी तुरंत एक्टिव हो गया। सबको लगा अब दोनों देशों के बीच परमाणु युद्ध होकर रहेगा।

क्यूबा मिसाइल संकट को शीत युद्ध का चरम समय माना जाता है। इस दौरान अमेरिका और सोवियत संघ के बीच 13 दिनों तक टकराव चला, जिसके बाद दोनों देशों के बीच हॉटलाइन संचार शुरू हुआ।

क्यों हुई हॉटलाइन संचार की स्थापना- 20 जून 1963 को अमेरिका और सोवियत संघ के बीच हॉटलाइन संचार की स्थापना हुई। हॉटलाइन संचार एक सीधा संचार लिंक था, जो वाशिंगटन और मॉस्को को जोड़ता था।

दरअसल क्यूबा मिसाइल संकट के दौरान जब दुनिया पर तीसरे विश्व युद्ध का खतरा मंडरा रहा था, तब अमेरिका ने सोवियत संघ को समझौते का मैसेज भेजा, जिसे पहुंचने में 12 घंटे का समय लगा। सभी को डर था कि कहीं मैसेज पहुंचने से पहले रूस अमेरिका पर परमाणु हमला न कर दे।

आखिर में दोनों देशों ने युद्ध न करने का फैसला लिया। क्यूबा मिसाइल संकट का एक बड़ा कारण दोनों देशों के बीच संपर्क स्थापित न होना भी था। इससे सबक लेते हुए अमेरिका और सेवियत संघ के नेताओं ने जेनेवा में मुलाकात की और दोनों देशों के बीच हॉटलाइन स्थापित करने पर सहमति बनी। यह हॉटलाइन कोई फोन का कनेक्शन नहीं था, बल्कि यह एक टेलीटाइपलाइन थी, जो केबल की मदद से चलती थी।

'Trump Is Dead', जेडी वेंस की एक टिप्पणी के बाद सोशल मीडिया पर छाया नया ट्रेंड

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका के राष्ट्रपति पद की कमान संभालने के बाद से ही डोनाल्ड ट्रंप चर्चा में है। राष्ट्रपति बनने के बाद से ही उन्होंने कई बड़े फैसले लिए, जिसके कारण वह अक्सर चर्चा में रहे।

इस बीच सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक ट्रेंड ट्रंप इज डेड जमकर वायरल है। जैसे ही ये ट्रेंड एक्स पर छाया लोगों ने इसके पीछे की वजह तलाशने की कोशिश शुरू कर दी।

क्या है ट्रेंड के पीछे की वजह- दरअसल, ये ट्रेंड उस वक्त अचानक वायरल हुआ, जब अमेरिका के उप राष्ट्रपति जेडी वेंस ने एक साक्षात्कार के दौरान कहा कि अगर किसी प्रकार की कोई त्रासदी आती है, तो वह राष्ट्रपति पद की भूमिका निभाने के लिए तैयार हैं।

बता दें कि यूएसए टुडे के साथ एक विशेष साक्षात्कार में वेंस से पूछा गया कि क्या वे भयानक त्रासदी की स्थिति में कमांडर-इन-चीफ की भूमिका निभाने के लिए तैयार हैं। इसी सवाल के जवाब में उन्होंने ये टिप्पणी की थी। हालांकि, जोर देकर जेडी वेंसे ने कहा था कि अमेरिकी राष्ट्रपति पूरी तरीके से फिट और ऊर्जावान हैं।

अपना कार्यकाल पूरा करेंगे ट्रंप- इसी साक्षात्कार में अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने दावा किया कि डोनाल्ड ट्रंप प्रतिदिन रात में उन्हें फोन करते हैं। इसके साथ ही सुबह फोन करने वाले भी पहले व्यक्ति होते हैं। अपना शेष कार्यकाल पूरा करेंगे और अमेरिकी जनता के लिए महान कार्य करेंगे।

गुजरात का हिम्मतनगर हुआ पानी-पानी! सड़कें, घर, दुकान और गाड़ियां सब डूबीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। गुजरात के हिम्मतनगर में भारी बारिश के कारण कई हाउसिंग सोसाइटियों में भीषण जलभराव हो गया। शहर के पॉश इलाकों में बारिश का पानी घरों में भी घुस गया और गाड़ियां भी डूब गईं।

सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में सिर्फ कारों की छतें दिखाई दे रहीं, जबकि अवनि पार्क सोसाइटी में भारी बाढ़ ने पूरी गाड़ियों को अपनी चपेट में ले लिया। शास्त्रीनगर और शगुन बंगलों के निवासियों को भी बाढ़ के पानी के घरों में घुसने की समस्या का सामना करना पड़ा, जिससे काफी नुकसान हुआ।

दुकानें भी हुईं जलमग्न- चपरिया चार रास्ता के पास की दुकानें जलमग्न हो गईं और निचले इलाकों में पानी का स्तर बढ़ गया। बारिश ने दैनिक जीवन को बुरी तरह प्रभावित किया है, कई घरों में संपत्ति और वाहनों को भारी नुकसान होने की खबर है।

वीडियो में हिम्मतनगर की जलमग्न सड़कों पर लोगों को मुश्किलों का सामना करते हुए भी दिखाया गया है। घुटनों तक पानी भरा होने के कारण लोगों को सड़कों से होकर गुजरना पड़ रहा है। एक रेलवे अंडरपास भी पूरी तरह जलमग्न हो गया।

लोगों का प्रशासन के प्रति फूटा गुस्सा- चपरिया हाउसिंग स्कीम, शगुन सोसाइटी, परिश्रम सोसाइटी और शास्त्री नगर सोसाइटी सहित कई हाउसिंग सोसाइटी में गंभीर जलभराव की स्थिति उत्पन्न हो गई, जिससे निवासियों में निराशा और नागरिक अधिकारियों की धीमी प्रतिक्रिया के प्रति गुस्सा है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने 2 सितंबर तक साबरकांठा जिले के लिए येलो अलर्ट जारी किया है। आईएमडी के अनुसार, आने वाले दिनों में अलग-अलग स्थानों पर गरज और बिजली के साथ भारी बारिश होने की बहुत संभावना है।

सड़क हादसे में राजस्थान की विधायक घायल, पसलियों में हुआ फ्रैक्चर

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजसमंद विधायक दीप्ति किरण माहेश्वरी शुक्रवार देर रात सड़क हादसे में घायल हो गईं। हादसा उदयपुर-राजसमंद नेशनल हाईवे पर अंबेरी के पास हुआ। दीप्ति की कार को एक अन्य वाहन ने कट पर टर्न लेते समय टक्कर मार दी। कार में उनके साथ पीए जय और ड्राइवर धर्मेंद्र भी मौजूद थे, जो घायल हुए हैं।

तीनों को तुरंत गीतांजलि हॉस्पिटल, उदयपुर में भर्ती कराया गया। डॉक्टरों के अनुसार, दीप्ति माहेश्वरी की पसलियों में फ्रैक्चर आया है और उन्हें फिलहाल आईसीयू में रखा गया है, हालांकि अब वह खतरे से बाहर हैं। उनके पीए जय के सिर में चोटें आई जबकि ड्राइवर धर्मेंद्र भी घायल हैं। परिवारजनों ने बताया कि आज उन्हें वार्ड में शिफ्ट कर दिया जाएगा।

भाजपा नेता और कार्यकर्ता हॉस्पिटल पहुंचे- हादसे की जानकारी मिलते ही भाजपा नेता और कार्यकर्ता हॉस्पिटल पहुंचने लगे। भाजपा शहर जिलाध्यक्ष गजपाल सिंह राठौड़, जिला महामंत्री देवीलाल सालवी और प्रवक्ता गोविंद दीक्षित ने अस्पताल जाकर उनका हालचाल जाना। एक्सीडेंट के बाद विधायक की कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई।

किडनैप किया और मार दिया... बीजापुर में एक और शिक्षा दूत की हत्या से इलाके में मचा हड़कंप

नई दिल्ली (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ में माओवादियों ने एक बार फिर कायराना हरकत को अंजाम दिया है। बीजापुर के गंगालूर थाना क्षेत्र के तोड़का गांव में माओवादियों ने शिक्षा दूत की बेरहमी से हत्या कर दी। मृतक की पहचान 25 वर्षीय कल्लू ताती के रूप में हुई है, जो तोड़का के ही रहने वाले थे।

कल्लू ताती गंगालूर क्षेत्र के नेड्रा स्कूल में पदस्थ था। जानकारी के मुताबिक, शुक्रवार शाम स्कूल से लौटते समय माओवादियों ने कल्लू ताती का अपहरण कर लिया था और देर रात उन्हें मौत के घाट उतार दिया।

इस घटना से पूरे इलाके में दहशत का माहौल है। घटना की सूचना पर पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। पुलिस बल को घटनास्थल के लिए रवाना किया गया है।

कौन हैं शिक्षा दूत- बता दें कि बस्तर संभाग के दुर्गम और नक्सल प्रभावित इलाकों में लंबे समय तक स्कूल बंद रहे हैं। ऐसे में शासन ने स्थानीय युवाओं को शिक्षा दूत के रूप में नियुक्त कर स्कूलों को पुनः संचालित करने का प्रयास किया। उनकी वजह से कई गांवों में शिक्षा की लौ फिर से जली है और बच्चे स्कूल लौटने लगे हैं।

बंद पड़े स्कूलों के पुनः संचालन के बाद से अब तक नक्सली जिले में कुल 5 शिक्षादूतों की हत्या कर चुके हैं।

केरल में बैंक मैनेजर ने बीफ खाने पर लगाया बैन, तो कर्मचारियों ने ऑफिस के बाहर ही कर डाली पार्टी; मचा हंगामा

नई दिल्ली (एजेंसी)। केरल के कोच्चि स्थित केनरा बैंक की एक शाखा के कर्मचारियों ने गुरुवार को एक अनोखा विरोध प्रदर्शन किया। इन लोगों ने बिल्डिंग के बाहर बीफ पार्टी की। दरअसल, बैंक मैनेजर ने कथित तौर पर कैंटीन में बीफ पर प्रतिबंध लगा दिया था।

एक कर्मचारी का कहना है कि हाल ही में बिहार से ट्रांसफर हुए उप क्षेत्रीय प्रबंधक अश्विनी कुमार ने हाल ही में इस ब्रांच का कार्यभार संभाला है और अब तक कम से कम दो बार हंगामा खड़ा कर चुके हैं। वो कर्मचारियों को परेशान भी करते हैं।

भारतीय बैंक कर्मचारी महासंघ की ओर से आयोजित इस विरोध प्रदर्शन का उद्देश्य पहले उस कथित उत्पीड़न का विरोध करना था लेकिन जब बीफ पर प्रतिबंध की खबर आई तो इसको लेकर भी प्रदर्शन किया। बीईएफआई के एक नेता ने बताया कि भोजन एक व्यक्तिगत पसंद है जो संविधान द्वारा संरक्षित है। बैंक के केंद्रीय नेतृत्व ने अभी तक इस विवाद पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है।

राज्य के राजनीतिक नेता इस विरोध प्रदर्शन के समर्थन में एकजुट हो गए हैं और सत्तारूढ़ वामपंथ की ओर से समर्थित एक स्वतंत्र सांसद के.टी. जलील ने सांस्कृतिक स्वतंत्रता को नियंत्रित करने के प्रयासों की निंदा की है।

उन्होंने कहा, यह वरिष्ठ अधिकारियों पर निर्भर नहीं है कि वे क्या पहनें...क्या खाएं...या क्या सोचें। संघियों (भाजपा के वैचारिक मार्गदर्शक राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का जिक्र करते हुए) का कोई भी घोटाला केरल में नहीं होगा। साथ ही उन्होंने उन लोगों को भी समर्थन देने की पेशकश की, जिन्हें इसी तरह के प्रतिबंधों का सामना करना पड़ सकता है।

उन्होंने फेसबुक पर एक पोस्ट में कहा, यहां की धरती लाल है। आइए, लाल झंडा फहराने के डर के बिना फासीवादियों के खिलाफ बात करें और कार्रवाई करें। कोई भी आपको कुछ नहीं कर पाएगा।

मनोज पाटिल के पास इसका अधिकार है..., मराठा आरक्षण पर क्या बोले महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार?

नई दिल्ली (एजेंसी)। मराठा आरक्षण की मांग पर महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार का बड़ा बयान सामने आया है। अजित पवार का कहना है कि सामाजिक कार्यकर्ता मनोज पाटिल की मांग पर महायुति सरकार विचार कर रही है। हम इसपर काम कर रहे हैं और जल्द ही इसका हल निकाल लेंगे।

अजित पवार के अनुसार, महायुति की सरकार ने राज्य के कैबिनेट मंत्री राधाकृष्णन पाटिल की अगवाई में एक कमेटी का गठन किया है। कमेटी इस मामले पर रिपोर्ट तैयार कर रही है। इस देश में सभी को प्रदर्शन का अधिकार है, लेकिन यह शांतिपूर्ण होना चाहिए। महायुति सरकार इसका हल तलाश रही है।

अजित पवार का अनशन पर बयान- अजित पवार का कहना है कि अदालत ने मनोज पाटिल को शनिवार तक धरना प्रदर्शन करने की इजाजत दी है। मनोज पाटिल ने खुद कहा है कि वो अदालत के आदेश का सम्मान करेंगे। इसके बावजूद वो अनिश्चितकालीन अनशन पर बैठे हैं। सरकार और प्रदर्शनकारियों के बीच यह परेशानी का सबब बन गया है।

मनोज का सरकार पर आरोप- बता दें कि सामाजिक कार्यकर्ता मनोज पाटिल मराठा आरक्षण की मांग को लेकर अनिश्चितकालीन अनशन पर बैठे हैं। मनोज का आरोप है कि महायुति सरकार मराठाओं और ओबीसी के बीच तनाव पैदा कर रही है।

मनोज पाटिल का कहना है, हमने यह कभी नहीं कहा कि ओबीसी कोटा खत्म करके मराठाओं को आरक्षण दे दो। मराठाओं का 150 साल पुराना रिकॉर्ड चेक कर लो। हम किसी का हक नहीं छीन रहे हैं। हमने अपने अधिकार भी दूसरों को दे दिए हैं। मैं पीछे नहीं हटूंगा। अब सरकार मराठा आरक्षण देगी नहीं तो मैं भूख हड़ताल के जरिए अपनी जान दे दूंगा।

बिहार के बाद अब बंगाल में SIR की तैयारी, दो दिन के भीतर EC के पास जमा की जाएगी रिपोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार के बाद अब बंगाल में भी मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआइआर) को लेकर चुनाव आयोग की सक्रियता देखने को मिल रही है। राज्य में एसआईआर को लेकर आयोग ने तैयारियां तेज कर दी हैं।

दरअसल, आयोग ने राज्य के मुख्य चुनाव अधिकारी (सीईओ) के कार्यालय को पत्र लिखकर 29 अगस्त तक चुनाव पंजीकरण अधिकारियों व सहायक चुनाव पंजीकरण अधिकारियों के रिक्त पदों की वर्तमान स्थिति पर रिपोर्ट जमा करने को कहा था।

रिपोर्ट नहीं हो सकी जामा- वहीं, सीईओ कार्यालय सूत्रों के मुताबिक कुछ कार्य बाकी रहने के कारण निर्धारित समय पर रिपोर्ट जमा नहीं की जा सकी है। अगले एक-दो दिनों में रिपोर्ट जमा की जाएगी।

80 हजार से अधिक हैं बंगाल में वोटिंग बूथ- इससे पहले चुनाव आयोग ने आदेश देते हुए कहा था कि जिस भी मतदाता बूथ पर 1200 से अधिक मतदाता हैं, वहां नए बूथ तैयार करने होंगे। पश्चिम बंगाल में वर्तमान में 80,000 से अधिक पोलिंग बूथ हैं। माना जा रहा है कि बंगाल में नए बूथ बनने के बाद ये आंकड़ा 94,000 पार कर जाएगा।

गौरतलब है कि नोबेल पुरस्कार प्राप्त अर्थशास्त्री अम?र्त्य सेन ने एसआइआर को लेकर चिंता जताई। चेतावनी देते हुए कहा कि अगर इसे संवेदनशील तरीके से नहीं किया गया तो यह गरीब और हाशिए पर रहने वाले लोगों को मताधिकार से वंचित कर सकता है। उन्होंने कहा कि प्रशासनिक प्रक्रियाएं और पुनरीक्षण जरूरी हैं लेकिन यह मौलिक अधिकारों की कीमत पर नहीं होना चाहिए।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उज्जैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
हिन्दकुश मीडिया
jagrayam.com
online news magazine
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

हिन्दकुश

हिन्द : भारत कुश : पवित्र तृण

मानव जीवन में सदैव उतार-चढाव आता है व्यक्ति को कभी इससे घबराना नहीं चाहिए।
पं. श्रीराम शर्मा आचार्य

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुःख भागभवेत्
सभी सुखी हो, सभी निरोगी रहे, सभी का शुभ हो, कोई भी दुखी न हो।

विक्रम संवत 2079 शुक्ल अष्टमी

संपादकीय

बदलते परिदृश्य में जापान में 29 30 अगस्त 2025 को 15 वाँ भारत- जापान वार्षिक शिखर सम्मेलन

वैश्विक स्तरपर बदलते परिदृश्य में जापान में 29 30 अगस्त 2025 को 15 वाँ भारत- जापान वार्षिक शिखर सम्मेलन, 31 अगस्त से 1 सितंबर 2025 तक चीन के तियानजिन शहर में होने वाले शंघाई सहयोग संगठन शिखर सम्मेलन में रूस,भारत, पाकिस्तान, कजाखस्तान, किर्गिजस्तान, ताजिकिस्तान, उज़्बेकिस्तान, ईरान, बेलारूस तुर्की समेत 20 देशों के राष्ट्राध्यक्ष पहुंच रहे हैं। जिसमें चीन अपने रक्षा की ताकत दुनियाँ को दिखाएगा। वर्तमान वैश्विक परिदृश्य आर्थिक परिदृश्य में अमेरिका ने अमेरिकी फर्स्ट नीति को प्रेशर देते हुए टैरिफ वार शुरू किया है,उसे देखतेहुए भारत चीन रूस गठबंधन की बहुत बड़ी भूमिका होने की संभावना है,रूस पहले से ही भारत का मित्र देश रहा है,भौगोलिक दृष्टि सेरूस एक महाद्वीपीय देश है जो यूरोप और एशिया -दोनों महाद्वीपों में फैला हुआ है। उसके लगभग 75 पर्सेंट भूभाग एशिया में आता है,जबकि उसकी 25 पेर्सेंट आबादी यूरोप वाले हिस्से में रहती है। इसलिए रूस को यूरो-एशियाई शक्ति कहा जाता है। राजनीतिक और सामरिक दृष्टि सेरूस की सैन्य शक्ति, परमाणु हथियार, और एशिया के देशों (चीन, भारत, ईरान, मध्य एशिया) के साथ उसके रिश्ते उसे एशियाई भू-राजनीति का अहम हिस्सा बनाते हैं।रूस एशिया में ऊर्जा (तेल-गैस) का प्रमुख स्रोत है। एशिया में शक्ति-संतुलन (विशेषकर अमेरिका-चीन-भारत समीकरण) में रूस की भूमिका हमेशा महत्वपूर्ण रहती है। ठीक वैसे ही भारत आर्थिक महाशक्ति बनने की ओर अग्रसर है, और चीन की भी अपने क्षेत्रों में बहुत बड़ी दक्षतारखता है, तीनों देशों की शंघाई सहयोग संगठन में बड़ी भूमिका है। इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्धजानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, भारत रूस और चीन,सबसे बड़ी एशियाई शक्तियाँ, जब एक साथ आती हैं,तो पूरी दुनियाँ के लिए यह किसी बड़े भू-राजनीतिक भूकंप जैसा होगा।वैश्विक परिदृश्य-अमेरिका की बेचैनी और एशियाई गठबंधन- भविष्य का परिदृश्य, नई वैश्विक शक्ति-संतुलन की ओर।

साथियों बात अगर हम भारत- चीन की दोस्ती- एशियाई भू-राजनीति में नई लकीर की करें तो, भारत और चीन, दो सबसे बड़ी एशियाई शक्तियाँ, जब भी साथ आते हैं तो पूरी दुनियाँ के लिए यह किसी बड़े भू-राजनीतिक भूकंप जैसा होता है। लंबे समय से भारत-चीन के बीच मतभेद, सीमा विवाद और रणनीतिक अविश्वास रहा है, लेकिन जब भी दोनों राष्ट्र साझा मंच पर आते हैं, पश्चिमी दुनिया में बेचैनी बढ़ जाती है। अमेरिका और यूरोप मानते हैं कि ड्रैगन-एलीफैंट फ्रेंडशिप अगर गहरी हुई, तो यह न केवल एशिया बल्कि पूरी दुनियाँ के शक्ति संतुलन को हिला सकती है।डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व में अमेरिका पहले से ही व्यापार युद्ध और टैरिफ नीतियों के ज़रिए चीन और भारत दोनों पर दबाव बनाने की कोशिश कर रहा है। लेकिन भारत-चीन की संभावित नजदीकी उसके लिए सबसे बड़ा सिरदर्द बन सकती है। एशिया की 2.7 अरब से अधिक की आबादी, दुनियाँ की तेज़ी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाएँ और संयुक्त सैन्य शक्ति, यदि सहयोग में बदल जाएँ तो पश्चिमी देशों की वर्चस्ववादी राजनीति को गंभीर चुनौती दे सकती हैं।यह तथ्य न केवल आर्थिक दृष्टिकोण से अहम है बल्कि भू-राजनीतिक और सुरक्षा व्यवस्था में भी बड़ा असर डाल सकता है। यदि भारत और चीन तकनीकी सहयोग, ऊर्जा सुरक्षा और व्यापारिक साझेदारी में हाथ मिलाते हैं, तो अमेरिका और उसके सहयोगियों के लिए एशिया में हस्तक्षेप करना और कठिन हो जाएगा।

प्रणब मुखर्जी

प्रणब मुखर्जी भारत के 13वें राष्ट्रपति थे। वे भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के प्रमुख नेता रहे। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के नेतृत्व वाले संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (यूपीए) ने उन्हें जुलाई, 2012 में भारत के राष्ट्रपति पद का उम्मीदवार नियुक्त किया था और राष्ट्रपति चुनाव में प्रणब मुखर्जी ने विरोधी उम्मीदवार पी.ए. संगमा को हराकर जीत हासिल की थी। 25 जुलाई, 2012 को प्रणब मुखर्जी राष्ट्रपति पद की शपथ लेकर भारत के 13वें राष्ट्रपति बने थे। भारत के 14वें राष्ट्रपति के रूप में रामनाथ कोविंद ने प्रणव मुखर्जी का कार्यकाल पूर्ण होने के बाद 25 जुलाई, 2017 को राष्ट्रपति पद की शपथ ग्रहण की।

जीवन परिचय

प्रणब मुखर्जी का जन्म, पश्चिम बंगाल के बीरभूम ज़िले के किरनाहर शहर के एक छोटे से गांव मिराटी (मिराती) में एक ब्राह्मण परिवार में 11 दिसंबर, 1935 में हुआ था। प्रणब मुखर्जी के पिता श्री कामदा किंकर मुखर्जी और माता श्रीमती राजलक्ष्मी मुखर्जी हैं। ग्रामीण बंगाल के बीरभूम में पले-बढ़े प्रणब मुखर्जी अपने उपनाम पोल्टू के नाम से जाने जाते थे। प्रणब मुखर्जी की पत्नी का नाम शुभ्रा मुखर्जी है। उनके दो पुत्र- अभिजीत व इंद्रजीत और एक पुत्री शर्मिष्ठा है। प्रणब मुखर्जी के पुत्र अभिजीत मुखर्जी सरकारी नौकरी छोड़कर राजनीति में आए पश्चिम बंगाल विधानसभा में विधायक हैं। उनकी बेटी शर्मिष्ठा एक नृत्यांगना हैं। उनके भाई शांति निकेतन विश्व भारती यूनिवर्सिटी के इंदिरा गांधी सेंटर फॉर नेशनल इंटीग्रशन के डायरेक्टर पद से रिटायर हुए है। प्रणब मुखर्जी के पिताजी, कामदा किंकर मुखर्जी क्षेत्र के एक प्रमुख स्वतंत्रता सेनानी थे और आज़ादी की लड़ाई में अपनी सक्रिय भूमिका निभाने के चलते वह 10 वर्षों से ज्यादा समय तक ब्रिटिश जेलों में कैद रहे। उनके पिताजी 1920 से इंडियन नेशनल कांग्रेस (अखिल भारतीय कांग्रेस) के एक सक्रिय कार्यकर्ता थे और सभी कांग्रेसी आंदोलनों में हिस्सा लिया। देश की आजादी के बाद 1952 से लेकर 1964 तक पश्चिम बंगाल विधान परिषद के सदस्य रहे थे और वीरभूम पश्चिम बंगाल ज़िला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष थे। पिता का हाथ पकड़ कर ही प्रणब ने राजनीति में प्रवेश किया।

शिक्षा

परिवार के माहौल को देखते हुए यह प्राकृतिक तौर पर स्वाभाविक था कि वे अपने पिताजी के. के. मुखर्जी के पदचिन्हों पर चलते। तत्कालीन कलकत्ता विश्वविद्यालय से संबंधित सूरी विद्यासागर कॉलेज से स्नातक की परीक्षा पास करने के बाद प्रणब मुखर्जी ने कलकत्ता यूनिवर्सिटी से ही इतिहास और राजनीति विज्ञान में स्नातकोत्तर (एम.ए.) की पढ़ाई संपन्न की। कोलकाता विश्वविद्यालय से क़ानून की उपाधि (लॉ) की शिक्षा के बाद पश्चिम बंगाल के बीरभूम ज़िले के एक कॉलेज में प्राध्यापक (प्रोफ़ेसर) की नौकरी शुरू की।

आरंभिक जीवन

कैरियर के शुरुआती दिनों में प्रणब मुखर्जी लंबे समय तक पहले शिक्षक और एक वकील के तौर पर काम किया। प्रणब ने अपना करियर कोलकाता में डिप्टी अकाउंटेंट जनरल के कार्यालय में क्लर्क के रूप में शुरू किया। इसके बाद उन्होंने पत्रकार के रूप में अपने कैरियर को आगे बढ़ाया। उन्होंने जाने-माने बांग्ला प्रकाशन संस्थान देशेर डाक मातृभूमि की पुकार के लिए काम किया। इसके बाद वह बंगीय साहित्य परिषद के ट्रस्टी बने। बाद में निखिल भारत बंग साहित्य सम्मेलन के अध्यक्ष भी बने। यूनिवर्सिटी ऑफ वॉल्वरहैम्पटन ने प्रणब मुखर्जी को डी.लिट की उपाधि भी प्रदान की है।

व्यक्तित्व

प्रणब मुखर्जी संजीदा व्यक्तित्व वाले नेता हैं। पार्टी के वरिष्ठतम नेता होने के कारण वह राजनीति की भी अच्छी समझ रखते हैं। बंगाली परिवार से होने के कारण उन्हें रबिंद्र संगीत में अत्याधिक रुचि है। प्रणब मुखर्जी को पश्चिम बंगाल के अन्य निवासियों की तरह ही माँ दुर्गा का उपासक भी माना जाता है और दुर्गा पूजा के दौरान वे माता की उपासना भी करते हैं। प्रणब दा मृदुभाषी, गंभीर और कम बोलने वाले है। प्रणब को बागवानी, किताबें पढ़ना और संगीत पसंद है। प्रणब का पसंदीदा खाना है फिश करी। वह मंगलवार को छोड़कर क़रीब-क़रीब रोज़ ही फिश करी खाते हैं। वे रोज सुबह जल्दी उठते हैं। पूजा के बाद वह अपने काम पर लग जाते हैं। दिन में एक घंटा सोते भी हैं। रात को सोने से पहले वे पढ़ते हैं। प्रणब दा रोज 18 घंटे काम करते हैं। उन्हें पढ़ने, गार्डनिंग व संगीत सुनने का भी शौक़ है। सुकांत भट्टाचार्य का लिखा और हेमंता मुखर्जी का गाया अबक पृथ्वी उनका पसंदीदा गीत है। इसके अलावा रवीन्द्र संगीत भी वो काफ़ी पसंद करते हैं। इसके अलावा प्रणब दा चाकलेट खाना खूब पसंद करते हैं। चाचा चौधरी की कॉमिक्स के फैन रहे हैं।

राजनीतिक परिचय

प्रणब मुखर्जी के पिता कामदा मुखर्जी एक लोकप्रिय और सक्रिय कांग्रेसी नेता थे। वह वर्ष 1952 से 1964 तक बंगाल विधानसभा के सदस्य रहे थे। पिता का राजनीति से संबंध होने के कारण प्रणब मुखर्जी का राजनीति में आगमन सहज और स्वाभाविक था। प्रणब मुखर्जी के राजनीतिक जीवन की शुरुआत वर्ष 1969 में की, जब वह पहली बार राज्य सभा से चुनकर संसद में आए थे। तत्कालीन प्रधानमंत्री, इंदिरा गांधी ने इनकी योग्यता से प्रभावित होकर मात्र 35 वर्ष की अवस्था में, 1969 में कांग्रेस पार्टी की ओर से राज्य सभा का सदस्य बना दिया। उसके बाद वे, 1975, 1981, 1993 और 1999 में राज्यसभा के लिए फिर से निर्वाचित हुए।

कैबिनेट मंत्री

उसके बाद वे 3 साल के अंदर ही वर्ष 1973 में केंद्र सरकार में प्रणब मुखर्जी ने कैबिनेट मंत्री रहते हुए औद्योगिक विकास (इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट) मंत्रालय में उप-मंत्री का पदभार संभाला। प्रणब मुखर्जी सन 1974 में केंद्र सरकार में वित्त राज्य मंत्री बने। प्रणब वर्ष 1982 से 1984 तक कई कैबिनेट पदों के लिए चुने जाते रहे। इसके बाद वर्ष 1984 में वह पहली बार भारत के वित्त मंत्री बने। प्रणब मुखर्जी ने सन 1982-83 के लिए पहला बजट सदन में पेश किया। वह 7 बार कैबिनेट मंत्री रहे। जिसमें 2 बार वाणिज्य मंत्री, 2 बार विदेश मंत्री और एक बार रक्षा मंत्री जैसे महत्वपूर्ण कैबिनेट पद शामिल हैं। 1982-84 में जब वे भारत के वित्त मंत्री थे तो यूरोमनी मैगजीन ने उनका मूल्यांकन विश्व के सबसे अच्छे वित्त मंत्री के तौर पर किया था।

कांग्रेस से अलग पार्टी का गठन

इन्दिरा गांधी की हत्या के पश्चात, राजीव गांधी सरकार की कैबिनेट में प्रणब मुखर्जी को शामिल नहीं किया गया। इस बीच प्रणब मुखर्जी ने 1986 में अपनी अलग राष्ट्रीय समाजवादी कांग्रेस (राष्ट्रीय कांग्रेस समाजवादी दल) का गठन किया। लेकिन जल्द ही वर्ष 1989 में राजीव गांधी से विवाद का निपटारा होने के बाद प्रणब मुखर्जी ने अपनी पार्टी को राष्ट्रीय कांग्रेस में मिला दिया। पूर्व प्रधानमंत्री पी.वी. नरसिंह राव उन्हें पार्टी में दोबारा लेकर आये थे। प्रणब मुखर्जी कांग्रेस पार्टी के सर्वोच्च निकाय कार्य समिति के 1978 में सदस्य बने। वर्ष 1985 तक प्रणब मुखर्जी पश्चिम बंगाल कांग्रेस समिति के अध्यक्ष भी रहे, लेकिन काम का बोझ बढ़ जाने के कारण उन्होंने इस पद से त्यागपत्र दे दिया था।

लोकसभा सांसद- प्रणब मुखर्जी पहली बार वह लोकसभा के लिए पश्चिम बंगाल के जंगीपुर निर्वाचन क्षेत्र से 13 मई 2004 को चुने गए थे और इसी क्षेत्र से दुबारा 2009 में भी लोकसभा के लिए चुने गए।

SEBI ने टोबैको केस में Dalmia ग्रुप के चेयरमैन संजय डालमिया पर गिराई गाज, बाजार से किया बैन

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड यानी SEBI गोल्डन टोबैको लिमिटेड केस में एक नया आदेश पारित किया है। सेबी ने डालमिया ग्रुप के चेयरमैन संजय डालमिया के खिलाफ आदेश पारित किया है। तज्ञरु केस में वर्षों से धन के दुरुपयोग और वित्तीय विवरणों में गड़बड़ी का आरोप लगाया गया है।

शुक्रवार को जारी यह आदेश कंपनी और उसके प्रमुख अधिकारियों द्वारा कथित तौर पर संपत्ति के दुरुपयोग, गलत बयानों और खुलासों में चूक की विस्तृत जांच के बाद आया है। सेबी ने संजय डालमिया को बाजार से प्रतिबंधित कर दिया और जुर्माना भी लगाया।

सेबी ने अपने आदेश में तज्ञरुके प्रवर्तक संजय डालमिया को दो साल की अवधि के लिए प्रतिभूति बाजार में प्रवेश करने से प्रतिबंधित कर दिया। नियामक ने धोखाधड़ी और अनुचित व्यापार व्यवहार निषेध विनियमों और लिस्टिंग दायित्व एवं प्रकटीकरण विनियमों के उल्लंघन के लिए उन पर 30 लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया।

इसके अलावा सेबी ने अनुराग डालमिया को डेढ़ साल के लिए प्रतिभूति बाजार से प्रतिबंधित कर दिया गया है और उन पर 20 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है। आदेश में जीटीएल के पूर्व निदेशक अशोक कुमार जोशी का भी नाम भी शामिल है। उन्हें एक साल के लिए बाजार में प्रवेश करने से प्रतिबंधित कर दिया गया है और उन पर 10 लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया गया है।

क्या है पूरा मामला- SEBI के आदेश के अनुसार, तज्ञरु ने वित्त वर्ष 2010 से वित्त वर्ष 2015 की अवधि के दौरान अपनी सहायक कंपनी जीआरआईएल को Loan और अग्रिम के रूप में 175.17 करोड़ रुपये ट्रांसफर किए और अपनी वार्षिक रिपोर्ट में इसे बकाया दिखाया। सेबी ने आरोप लगाया कि कुल अग्रिम में से केवल 36 करोड़ रुपये ही वापस किए गए और शेष धनराशि जीआरआईएल से प्रवर्तक-संबंधित संस्थाओं में स्थानांतरित कर दी गई। सेबी ने आरोप लगाया कि जीटीएल के प्रवर्तकों और निदेशकों ने शेयरधारकों को उचित जानकारी दिए बिना कंपनी की प्रमुख भूमि परिसंपत्तियों से संबंधित समझौते किए। इनमें भूमि की बिक्री या पट्टे के लिए तीसरे पक्षों के साथ किए गए समझौते शामिल थे, जो या तो कंपनी के सर्वोत्तम हित में नहीं किए गए थे या जिनका स्टॉक एक्सचेंजों के समक्ष पारदर्शी रूप से खुलासा नहीं किया गया था।

अंबानी ने तैयार कर दिया बेटे अनंत के लिए मंच

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत अरबपति कारोबारी मुकेश अंबानी ने अपने तीनों बच्चों के बीच कारोबार का तो बंटवारा कर दिया है, लेकिन शुक्रवार को पहली बार वे नेतृत्व करते दिखाई दिए। रिलायंस इंडस्ट्रीज की AGM के दौरान अंबानी ने जुड़वां बच्चों आकाश और ईशा (33) को क्रमश- दूरसंचार और खुदरा क्षेत्रों के लिए व्यावसायिक योजना प्रस्तुत करने का मौका दिया। ये दोनों पिछली आम बैठकों में भी मौजूद थे, लेकिन यह पहली बार था जब उन्होंने केवल तकनीक या उपकरणों का प्रदर्शन करने के बजाय व्यावसायिक विवरण प्रस्तुत किए। सबसे छोटे 30 वर्षीय अनंत ने भी शेयरधारकों की बैठक को संबोधित किया। इससे संकेत मिलता है कि उनकी भूमिका पहले से कहीं बड़ी होगी। 29 अगस्त, 2022 को, मुकेश अंबानी ने आकाश को JIO और ईशा को Retail में नेतृत्वकारी भूमिका सौंपने की घोषणा की थी। उन्होंने कहा कि अनंत बड़े उत्साह के साथ हमारे नए ऊर्जा व्यवसाय में शामिल हुए हैं। लेकिन शुक्रवार को, जब अनंत मंच पर आए, तो उन्होंने पारंपरिक नकदी उत्पादक तेल-से-रसायन व्यवसाय, तेल एवं गैस अन्वेषण एवं उत्पादन खंड और नए ऊर्जा क्षेत्र की व्यावसायिक समीक्षा और योजनाएं प्रस्तुत कीं। तेल शोधन और पेट्रोकेमिकल्स, खुदरा और डिजिटल सेवाएं जिनमें दूरसंचार भी शामिल है।

ट्रंप टैरिफ की आंच से सोना पहुंचा 104000 के पार, चांदी में भी लगी महंगाई की आग

नई दिल्ली (एजेंसी)। ट्रंप टैरिफ की वजह से सोने और चांदी की कीमतों में तेजी देखने को मिल रही है। आए दिन दोनों ही मेटल नए-नए रिकॉर्ड बना रहे हैं। MCX पर गोल्ड 104000 रुपये के स्तर को टच कर गया। तश्चद्यस्त्र तो गोल्ड चांदी में भी महंगाई की आग लगी है। चांदी की कीमत भी 120000 रुपये के स्तर को पार कर गई।

ट्रंप ने फरवीर में टैरिफ को लेकर घोषणा की थी। इसके बाद से ही सोने और चांदी की कीमतों में तेजी का दौर जारी है। आने वाले समय में इनकी कीमतों में और भी तेजी आ सकती है। ट्रंप टैरिफ के डर से बहुत से निवेशकों ने गोल्ड में निवेश करना सुरक्षित समझा। यही कारण हैं कि इसकी कीमतों में लगातार तेजी देखी जा रही है।

MCX पर तो गोल्ड ने एक नया रिकॉर्ड बनाया लेकिन अगर IBJA के अनुसार इसके रेट की बात करें तो इस समय 24 कैरेट 1 ग्राम गोल्ड का रेट 10239 रुपये है। वहीं, 10 ग्राम 24 कैरेट गोल्ड की बात करें तो यह 102390 रुपये है। इसके अलावा अगर 22 कैरेट गोल्ड रेट की बात करें तो 29 अगस्त को 20 ग्राम 22 कैरेट गोल्ड का रेट 99930 रुपये था। जबकि, 20 कैरेट 10 ग्राम गोल्ड की कीमत 91130 रुपये थी।

सोने के साथ चांदी की कीमतें भी लगातार बढ़ रही है। ट्रंप टैरिफ का असर सिर्फ गोल्ड पर ही नहीं स्द्बद्य1द्गह्म् पर भी पड़ रहा है। इस समय चांदी की कीमत 120,880 रुपये प्रति किलो है। बहुत से निवेशक इस धातु में भी निवेश कर रहे हैं। निवेश के लिहाज से चांदी भी अच्छी धातु मानी जाती है।

आखिर क्यों बढ़ रहे हैं सोने और चांदी के दाम- सोने और चांदी के दामों में बढ़ोतरी के पीछे कई इंटरनेशनल कारण हैं। इन धातुओं के रेट क्यों बढ़ रहे हैं, इसे लेकर कमोडिटी एक्सपर्ट अजय केडिया ने कई कारण बताए।

भारत के डीजल पर चलता है पूरा यूक्रेन, रूस से तेल खरीदी पर टैरिफ बम फोड़ते समय भूल गए थे ट्रंप

नई दिल्ली (एजेंसी)। इस समय पूरी दुनिया ट्रंप टैरिफ को लेकर चर्चा कर रही है। एक ओर ट्रंप भारत से इस बात को लेकर नाराज है क्योंकि वह रूस से तेल खरीदता है। रूसी तेल खरीदी को लेकर उन्होंने भारत पर 25 फीसदी का अतिरिक्त टैरिफ लगाया जो 27 से लागू हो गया है और कुल टैरिफ बढ़कर 50 फीसदी हो गया है। लेकिन ट्रंप शायद यह भूल गए कि जिस यूक्रेन को उनका देश आर्थिक मदद से लेकर सैन्य मदद मुहैया करा रहा है वह भारत के डीजल पर चलता है।

जुलाई 2025 में यूक्रेन के लिए भारत डीजल का सबसे बड़ा आपूर्तिकर्ता के रूप में उभरा है। ठीक उसी समय जब अमेरिका ने रूसी तेल आयात जारी रखने के लिए भारतीय वस्तुओं पर 50त्न का भारी शुल्क लगा दिया था। ट्रंप का कहना है कि रूस से तेल खरीद कर भारत इस युद्ध में रूस की मदद कर रहा है। लेकिन ट्रंप शायद यह भूल गए कि यूक्रेन भी भारी मात्रा में भारत से डीजल खरीद रहा है।

विडंबना यह है कि जहां एक ओर वाशिंगटन, मास्को के साथ भारत के ऊर्जा संबंधों को लेकर उस पर टैरिफ लगा रहा है। वहीं, दूसरी ओर भारतीय डीजल कीव की युद्धकालीन अर्थव्यवस्था को बढ़ावा दे रहा है।

हर दिन भारत से कितना डीजल जाता है यूक्रेन- यूक्रेनी तेल बाजार विश्लेषण फर्म, नैफ्टोरिनोक के अनुसार, जुलाई में यूक्रेन के डीजल आयात में भारत की हिस्सेदारी 15.5% थी।

दुनिया का सबसे अमीर गांव भारत में, गांववालों के बैंक खाते में 5000 करोड़

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के सबसे अमीर व्यक्ति का नाम तो आपने सुना ही होगा। लेकिन क्या आप भारत के सबसे अमीर गांव के बारे में जानते हैं। इसे लेकर सोशल मीडिया पर एक पोस्ट वायरल हो रहा है। ये पोस्ट है निवेश बैंकर सार्थक आहूजा। उन्होंने लिंक्डइन पर पोस्ट किया और बताया कि गुजरात के कच्छ में एक छोटा सा गांव है। इस गांव के लोगों के बैंक अकाउंट में बहुत पैसा है। ये पैसा 5,000 करोड़ से अधिक है।

सार्थक आहूजा की पोस्ट के अनुसार कच्छ का माधापार गांव के लोगों का पैसा 17 बैंक शाखाओं में जमा है। यह जमा राशि 5,000 करोड़ से अधिक की है। प्रति व्यक्ति आय के हिसाब से यह दुनिया का सबसे अमीर गांव भी हो सकता है।

विदेश में रहती है गांव की 65 फीसदी आबादी- उनकी पोस्ट के अनुसार यह प्रति परिवार औसतन 15-20 लाख है। जिसका श्रेय मुख्य रूप से इसके वैश्विक प्रवासियों को जाता है। माधापार गांव में पटेलों और मिस्त्रियों की बहुलता है। इनकी की वजह से इस गांव की आर्थिक रूप से एक अलग पहचान बन गई है।

दुनिया का सबसे अमीर गांव भारत में- वायरल पोस्ट के अनुसार माधापार में 7600 परिवारों वाला गांव है। यहां कि प्रति व्यक्ति आय 15-20 लाख के बीच है। इस हिसाब से यह दुनिया का सबसे बड़ा अमीर गांव भी हो सकता है। इसका मतलब यह है कि प्रत्येक परिवार के पास औसतन 15-20 लाख रुपये की बैंक एफडी है। विदेश में रहने वाले इस गांव के लोग अपने घरवालों को पैसा भेजते हैं। खर्च के अलावा बचे हुए पैसों को गांववालें अपने बैंक में रखते हैं। इस निरंतर प्रवाह ने माधापार को चुपचाप दुनिया भर में सबसे बड़े प्रति व्यक्ति जमा आधारों में से एक बनाने में मदद की है।

स्थानीय बैंक अधिकारियों द्वारा सत्यापित सार्वजनिक आंकड़ों के अनुसार, ?5,000 करोड़ का आंकड़ा गांव के सभी 17 बैंकों में जमा राशि के योग से आता है। उल्लेखनीय रूप से, इसमें कॉर्पोरेट या व्यावसायिक खाते शामिल नहीं हैं। यह पैसा केवल व्यक्तिगत और पारिवारिक बचत है।

ट्रंप टैरिफ से पहले भारतीय आर्थिकी में 7.8 प्रतिशत का अप्रत्याशित उछाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। जिस भारतीय आर्थिकी को कुछ दिनों पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने डेड इकोनमी बताया था, उसी के पहली तिमाही के नतीजों ने दुनियाभर को चमत्कृत कर दिया है। चालू वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) के दौरान भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर 7.8 प्रतिशत रही है। दुनियाभर में चल रही उथल-पुथल के बीच यह विकास दर काफी महत्वपूर्ण है और इसने आरबीआइ समेत तमाम वित्तीय एजेंसियों के पूर्वानुमानों को पीछे छोड़ दिया है। अमेरिका के राष्टपति डोनाल्ड ट्रंप ने अप्रैल में सभी देशों पर 10 प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ लगा दिया था। इसके बावजूद अप्रैल-जून के दौरान भारत ने पांच तिमाही में सबसे तेज ग्रोथ दर्ज की है। इससे पहले इससे अधिक ग्रोथ रेट जनवरी-मार्च 2024 में 8.4 प्रतिशत थी। बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में सबसे तेज विकास दर भारत की ही है। अप्रैल-जून 2025 में चीन की विकास दर 5.2 प्रतिशत रही थी।

दैनिक हिन्दकुश

hindkush.in
24x7 News portal

सर्वे भवन्तु सुखिनः
उज्जैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित

jagrayam.com
online news magazine

ऑनलाईन संवाददाता/ब्यूरो प्रतिनिधि चाहिए

हिन्दकुश मीडिया

hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

किसानों के साथ मजाक, फसल बीमा के नाम पर पूरे गांव को मिले सिर्फ 17 रुपए

जबलपुर। जिले में इन दिनों किसानों को फसल बीमा का पैसा बांटा जा रहा है, जो सीधे उनके खाते में पहुंचा रहा है। जिले में इस बार करीब 12 हजार 738 किसानों की फसल को नुकसान पहुंचा, जिस पर उन्हें करीब तीन करोड़ 20 लाख का फसल बीमा की राशि का आवंटन किया गया। इस बार केंद्र से पीएम फसल बीमा का पैसा सीधे खाते में आया, लेकिन इस पैसे को देने के लिए जो सर्वे किया गया, वो किसान के कुल जमीन पर नहीं बल्कि उसके खसरे पर हुआ। इस वजह से खसरे पर मिली मुआवजे की राशि कहीं 5 रुपये है तो कहीं यह राशि 10 हजार तक जा पहुंची है। सिर्फ 17 रुपये का फसल बीमा

इधर जिले में कुंडम तहसील से लगे क्षेत्र में फसल मुआवजा की राशि बहुत कम आवंटित की है। इस तहसील से लगे कुंवर हटा गांव के सभी किसानों को मिलाकर 17 रुपए का बीमा मुआवजा दिया गया है, जो जिले में सबसे कम है। वहीं, मझौली तहसील के चनोटा गांव के किसानों को सबसे ज्यादा करीब 11 लाख 29 हजार रुपए का फसल बीमा मुआवजा दिया है, जिले में बाकी शेष गांव से सबसे ज्यादा है। किसान को नहीं पूरे गांव का जारी किया डाटा इस बार जिले के कृषि विभाग और फसल बीमा देखने वाली एजेंसी, दोनों के पास यह जानकारी नहीं है कि किस किसान को कितनी मुआवजा राशि दी गई है। किसानों में भारी नाराजगी

कृषि विभाग का कहना है कि पीएम फसल बीमा योजना में किसानों के खाते में सीधे मुआवजे की राशि पहुंची, लेकिन वहां से जो जानकारी भेजी गई, वो तहसील और गांव स्तर पर है। यानि गांव में सभी किसानों को बांटी गई फसल बीमा की राशि का डाटा जारी हुआ। इसमें एक गांव के किसानों को 17 रुपये तक का मुआवजा दिया गया । कुंडम तहसील के गांव कुंवर हटा गांव के सभी किसानों को महज 17 रुपए का बीमा मुआवजा दिया गया है, जो जिले में सबसे कम है। इससे यहां के किसान नाराज हैं।

किसानों के साथ हो रहा है छल

उनका कहना है कि बीमा कंपनी और सरकार ने किस आधार पर यह नुकसान का अनुमान लगाया है। यह पूरी तरह से गलत और किसानों के साथ छल करने की तरह है। सैटेलाइट पद्धति से सर्वे किसान हित में नहीं है। किसानों ने सेटलाइट द्वारा किए जा रहे सैटेलाइट पद्धति आधारित आकलन को गलत ठहराया।

सैटेलाइट पद्धति से हुआ नुकसान का आंकलन

किसान संघ के राघवेंद्र पटेल ने बताया कि सैटेलाइट पद्धति से कैसे फसल के नुकसान का आंकलन हो सकता है। क्या सैटेलाइट बता सकता है कि पाला या वर्षा से प्रभावित फसल में लगे फूल से फल बनेंगे की नहीं, कितना उत्पादन आएगा, फसल जीवित भी रहेगी या नहीं, पौधे की जड़े गल रही हैं तो वह पौधा आगे कुछ दिन में सूख जाएगा या फल फूल नहीं आएंगे, लेकिन खेत में पौधा हरा रहेगा।किसान कर रहे हैं इसका पुरजोर विरोध

सैटेलाइट फसल की घेंटी में लगे दाने को फोड़कर तो फोटो नहीं ले सकता कि कितना नुकसान है तो फसल के बीमा का वास्तविक आंकलन संभव ही नहीं है। यह प्रक्रिया अपनाई गई तो किसान को फसल बीमा की राशि प्रति एकड़ 2 व 5 रुपए आना तय है। प्रीमियम हजारों रुपए में देना होगा। किसान इसका पुरजोर विरोध कर रहें है।

वहीं, कृषि विभाग के सहायक उपसंचालक रवि आम्रवंशी ने कहा कि किसानों के खाते में बीमा की राशि जा रहा है। इस वजह से हमें सिर्फ गांव के कुल किसानों को मिले मुआवजे की राशि की जानकारी है। यहां एक बैंक नहीं बल्कि हर नेशनल बैंक के खातों में किसानों को पैसा पहुंचा है।

बिना हेलमेट नहीं दिया पेट्रोल तो बदमाशों ने कर दी ताबड़तोड़ फायरिंग, पंप मालिक घायल

भिंड। ग्वालियर-इटावा नेशनल हाइवे 719 पर स्थित पेट्रोल पंप संचालक को बिना हेलमेट के बाइक सवार को पेट्रोल नहीं देना संचालक को महंगा पड़ गया। बाइक सवार युवकों ने पंप पर बंदूक और कट्टे से ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। इसी दौरान एक गोली पंप संचालक के दाएं हाथ में लग गई। घायल को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने सीसीटीवी कैमरे के फुटेज के आधार पर दो आरोपितों की पहचान कर ली है। गिरफ्तारी के लिए पुलिस दबिश दे रही है। घटना शनिवार सुबह करीब पांच बजे की है।

प्रेट्रोल नहीं देने पर भड़के युवक

जानकारी के अनुसार 62 वर्षीय तेजनारायण पुत्र गोरेलाल नरवरिया निवासी पुर थाना देहात का बरोही क्षेत्र में हाइवे पर सावित्री पेट्रोल पंप है। शनिवार सुबह करीब चार बजे एक युवक बाइक से पंप पर पहुंचा और सेल्समैन ने पेट्रोल डालने के लिए कहा। सेल्समैन ने युवक से कहा कि हेलमेट नहीं है। इसलिए पेट्रोल नहीं डलेगी। भिंड कलेक्टर ने बिना हेलमेट पेट्रोल देने पर रोक लगाई है। इस पर युवक भड़क गया और सेल्समैन को धमकाते हुए बोला कि पेट्रोल नहीं

डाली तो अंजाम बुरा होगा। इसके बाद युवक वहां से चला गया।पंप पर कर दी ताबड़तोड़ फायरिंग

करीब 50 मिनट बाद युवक दो अन्य साथियों के साथ 4.50 बजे पंप पर पहुंचा। इसमें एक युवक 315 बोर की बंदूक और एक युवक 315 बोर का कट्टे लिए था। युवकों ने आते ही सेल्समैन को गालियां देना शुरू कर दी और बोला के बिना हेलमेट के पेट्रोल नहीं दी तो अब गोली खा। इसके बाद दो युवकों ने बंदूक और कट्टे से ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। गोली चलते ही कर्मचारी मौके से भाग गया।

संचालक के हाथ में लगी गोली

इसी दौरान पंप के ऑफिस में लेटे संचालक तेजनारायण नरवरिया बाहर आए और युवकों से फायरिंग बंद करने के लिए कहा। इसी दौरान एक गोली संचालक तेजनारायण दाएं हाथ में लग गई तो वह जमीन पर गिर गए। इस दौरान गोली पंप के ऑफिस में लगे शटर सहित अन्य जगह लगी हैं। इसके बाद युवक हथियार लहराते हुए बाइक लेकर भाग गए। स्टाफ ने संचालक को जिला अस्पताल में भर्ती कराया।

पुलिस ने दो आरोपियों की पहचान की–बरोही थाना प्रभारी अतुल भदौरिया का कहना है कि सीसीटीवी कैमरे के फुटेज में दो लोग बंदूक और कट्टे से फायरिंग करते हुए दिखाई दे रहे हैं। फुटेज के आधार पर उनकी पहचान बिजपुरी निवासी भोलू भदौरिया और कुलदीप भदौरिया के रूप में हुई है। आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए टीम लगातार दबिश दे रही हैं। संभवत~ देर रात तक आरोपितों को पकड़ लेंगे।5 अगस्त को बिना हेलमेट के पेट्रोल देने पर लगी थी रोक

बिना हेलमेट पेट्रोल नहीं भिंड कलेक्टर संजीव श्रीवास्तव ने पांच अगस्त को दो पहिया वाहन चालकों के लिए हेलमेट अनिवार्य कर दिया था। बिना हेलमेट पेट्रोल भी नहीं देने के आदेश दिए।

सड़क निर्माण गड्ढे में मिली युवक की मौत

शिवपुरी। जिले के कोलारस थाना क्षेत्र के वीरखेड़ी गांव में बुधवार रात रहस्यमय परिस्थितियों में लापता हुए 20 वर्षीय अंकेश जाटव का शव शनिवार सुबह पानी से भरे सड़क निर्माण गड्ढे में बरामद हुआ।

अंकेश जाटव, जो हाल ही में पथरी के ऑपरेशन के बाद बेडरेस्ट पर था, बुधवार रात खाना खाकर घर में सोने गया था। करीब 11 बजे अचानक उसकी अनुपस्थिति से परिवार में चिंता फैल गई।

परिजनों ने खोजबीन शुरू की और घर के पास गड्ढे के पास अंकेश के पास कुछ अनार के छिलके पाए। इसके बाद उन्होंने आशंका जताई कि वह पानी में गिर गया होगा। सूचना मिलने के बाद एसडीईआरएफ टीम ने सर्चिंग कर शव बरामद किया।

पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम कराया है। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि युवक की मौत हादसा थी या आत्महत्या। अंकेश के परिवार ने बताया कि ऑपरेशन के बाद वह पूरी तरह ठीक नहीं था, जिससे इस मामले में कई सवाल खड़े हो रहे हैं।

यह गड्ढा एनएचएआई द्वारा सड़क निर्माण के लिए खोदा गया था। इस इलाके में पहले भी ऐसे गड्ढों में कई हादसे हो चुके हैं और लोगों की जान जा चुकी है, जो सुरक्षा की गंभीर चुनौती को उजागर करता है।

ट्रक की टक्कर से युवक की मौत, बहन गंभीर घायल

जिले के एनएच-46 पर लुकवासा चौकी क्षेत्र के अंतर्गत देहरदा गांव के पास शनिवार को एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ। तेज रफ्तार अज्ञात ट्रक ने बाइक को टक्कर मार दी।

हादसे में 18 वर्षीय संजीव जाटव की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसकी चचेरी बहन अलका जाटव गंभीर रूप से घायल हो गई। घायल को एंबुलेंस से जिला अस्पताल शिवपुरी पहुंचाया गया।

परीक्षा से लौटते वक्त हुआ हादसा–जानकारी के मुताबिक, संजीव अपनी चचेरी बहन अलका को परीक्षा दिलाकर बाइक से घर वापस लौट रहा था। तभी रास्ते में तेज रफ्तार ट्रक ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि संजीव की मौके पर ही मौत हो गई।

परिवार पर टूटा दुखों का पहाड़–मृतक संजीव अपने माता-पिता का इकलौता बेटा था। कुछ साल पहले ही उसके पिता का निधन बीमारी से हो गया था। अब बेटे की अचानक हुई मौत से परिजन गहरे सदमे में हैं और गांव में मातम पसरा हुआ है।

पुलिस ने मामला दर्ज किया–सूचना पर लुकवासा चौकी पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने अज्ञात ट्रक चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है।

पानी से डरने वाले चीते मजे से कर रहे नदी पार

ग्वालियर। मध्य प्रदेश के श्योपुर स्थित कूनो नेशनल पार्क में बसाए गए चीते जंगल परिसर में बने तालाबों, नालों और यहां तक कि कूनो नदी में भी तैरते देखे जा रहे हैं, जबकि विशेषज्ञों के अनुसार चीतों का व्यवहार पानी से दूरी बनाकर रहने का माना जाता है। खासकर भारत में जन्मे चीते इस धारणा को तोड़ रहे हैं।

तेज बहाव के बावजूद नदी पार कर रहे चीते–चीता प्रोजेक्ट से जुड़े और सिंह परियोजना के निदेशक उत्तम कुमार शर्मा के अनुसार हाल ही में वर्षा के दौरान तेज बहाव के बावजूद चीतों को नदी पार करते देखा गया। यह थोड़ा अचरज भरा जरूर है क्योंकि चीता प्रोजेक्ट की शुरुआत में विशेषज्ञों द्वारा यह कहा गया था कि चूंकि नेशनल पार्क के समीप ही कूनो नदी है, ऐसे में चीतों को लेकर सतर्कता बरते जाने की जरूरत है। अब भारत में जन्म लेने वाले चीते नदी-नालों में तैरते देखे जा रहे है।पिछले साल नाले में डूबने से हुई थी एक की मौत बता दें कि कूनो नेशनल पार्क से सटी हुई कूनो नदी के अलावा आगे इस कारिडोर में चंबल नदी भी है।

प्रदेश में सबसे पहले बने आयुर्वेद महाविद्यालय का हुआ कायाकल्प

औषधि निर्माण के लिए आधुनिक सुविधाओं से युक्त रसशाला का निर्माण भी किया जाएगा

इंदौर। संभागायुक्त श्री दीपक सिंह की अध्यक्षता में पं. शिवनाथ शास्त्री शासकीय स्वाशासी आयुर्वेद महाविद्यालय एवं चिकित्सालय बुरहानपुर की कार्यकारिणी समिति की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में संभागायुक्त श्री सिंह ने प्रदेश के सबसे पहले बने आयुर्वेद महाविद्यालय एवं चिकित्सालय बुरहानपुर के प्रगति एवं विकास कार्यों की समीक्षा की। बैठक में संभागायुक्त श्री सिंह ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि महाविद्यालय एवं चिकित्सालय में आयुर्वेदिक औषधि निर्माण के लिए आधुनिक सुविधाओं से युक्त विशाल रसशाला का निर्माण किया जाए। साथ ही योग विषय पर नये पाठ्यक्रम शुरू किए जाए। योग क्षेत्र में कार्य कर रही राष्ट्रीय स्तर की योग संस्थाओं के साथ मिलकर बड़े कार्यक्रम आयोजित किए जाए। साथ ही आयुर्वेद से जुड़े विषयों को लेकर राष्ट्रीय स्तर पर कॉन्फ्रेंस, सेमिनार, वर्कशॉप आदि के आयोजन किए जाए, ताकि संस्थान में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं सहित प्राध्यापकों को आयुर्वेद विषय में हो रहे नित नये अनुसंधान सहित नवीन तकनीकों की जानकारी मिले। एक ऐसी स्मारिका का भी प्रकाशन किया जाए, जिसमें आयुर्वेद विषय के शोधार्थी विद्यार्थियों द्वारा किए गए नये शोध की तथ्यात्मक जानकारी हो।

मप्र-महाराष्ट्र सीमावर्ती जिले में स्थापित आयुर्वेद महाविद्यालय नए स्वरूप में नए आयाम गढ़ने की दिशा में- प्रदेश का सबसे पुराना आयुर्वेद महाविद्यालय में संभागायुक्त श्री दीपक सिंह के निर्देशन में कुछ आवश्यक व्यवस्थाएं और सुविधा प्रारम्भ हुई है। जिससे न सिर्फ मप्र के बल्कि महाराष्ट्र राज्य के नागरिक भी लाभावित हो रहे है। महाविद्यालय के उप प्रधानाचार्य डॉ. अरविंद कुमार पटेल बताते है कि यहां अब महिलाओं की डिलिवरी के साथ 14 विभागों में राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा प्रणाली आयोग के मापदंडों के अनुरूप शिक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में बढ़ गए है। वर्ष 2018 में नए भवन में प्रारम्भ होने के साथ ही अब डिजिटल लायब्रेरी व डिजिटल रचना शरीर म्यूज़ियम, डिजिटल एक्सरे, सोनोग्राफी, पंचकर्म,मधुमेह व त्वक रोग इकाई,ओटी, फिसियोथेरेपी, औषधि वितरण, विद्यार्थियों के लिए बस व्यवस्था और आपात समय के लिए एम्बुलेंस उपलब्ध हो गई है।

योग शिविर में उमड़ी महिलाओं की भीड़, स्वास्थ्य लाभ जानकर लिया संकल्प

इंदौर। स्वास्तिक योग टीम द्वारा बैंक ऑफ इंडिया ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान में एनआरएलएम के सहयोग से संचालित प्रशिक्षण शालाओं में एक दिवसीय योग शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर का उद्देश्य महिलाओं और बच्चियों को योग के प्रति जागरूक करना और उन्हें स्वस्थ जीवनशैली की ओर प्रेरित करना रहा। शिविर का संचालन युवा योग प्रशिक्षक योगाचार्या कृति लिटोरिया एवं योगाचार्य यश यादव ने किया। दोनों प्रशिक्षकों ने 100 से अधिक महिलाओं और बच्चियों को योगाभ्यास करवाया और योग के महत्व व उसके स्वास्थ्य लाभों की जानकारी दी। प्रशिक्षकों ने विशेष रूप से महिलाओं की स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं जैसे पीसीओडी और पीसीओएस में योगासन एवं प्राणायाम की प्रभावी भूमिका पर विस्तार से प्रकाश डाला।योगाचार्या कृति लिटोरिया और योगाचार्य यश यादव न केवल मध्य प्रदेश बल्कि पूरे देश में योग के माध्यम से स्वास्थ्य जागरूकता अभियान चला रहे हैं। वे ऑनलाइन एवं ऑफलाइन माध्यम से कॉरपोरेट कंपनियों, स्कूलों, कॉलेजों, आश्रमों और विभिन्न सामाजिक संस्थानों में नियमित रूप से योग शिविर आयोजित कर रहे हैं। उनके प्रयासों से बड़ी संख्या में लोग योग को जीवन का हिस्सा बना रहे हैं।

संविदा आधार पर लीगल एड डिफेंस काउंसिल अंतर्गत होगी नियुक्ति

इंदौर। इंदौर में लीगल एड डिफेंस काउंसिल योजना के तहत संविदा पर चीफ लीगल एड डिफेंस काउंसिल के रिक्त एक पद, डिप्टी चीफ लीगल एड डिफेंस काउंसिल के तीन पद एवं असिस्टेंट लीगल एड डिफेंस काउंसिल के रिक्त तीन पदों के लिए भर्ती की जाएगी। भर्ती प्रक्रिया प्रारंभ हो गई है। इच्छुक अर्ह अधिवक्तागणों से निर्धारित प्रारूप में आवेदन पत्र आमंत्रित किये गए हैं।

न्यायाधीश एवं सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्री शिवराज सिंह गवली ने बताया कि उक्त पदों के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश, विज्ञापन एवं आवेदन का प्रारूप उच्च न्यायालय की अधिकारिक वेबसाईट, राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर https://www.mpslsa.gov.in एवं जिला न्यायालय इन्दौर की अधिकारिक वेबसाईट https://indore.dcourts.gov.in/notice-category/recruitments से डाउनलोड किये जा सकते हैं। आवेदन विज्ञापन जारी 29 अगस्त 2025 से 19 सितम्बर 2025 की शाम 5 बजे तक सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, जिला न्यायालय परिसर इन्दौर को सम्बोधित करते हुए स्वयं उपस्थित होकर अथवा रजिस्टर्ड डाक के माध्यम से प्रस्तुत कर सकते हैं।

संगठित क्षेत्र के श्रमिकों के बच्चों को कौशल प्रशिक्षण पर विशेष ध्यान दिया जाएगा- श्रम मंत्री

इंदौर। श्रम मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल की अध्यक्षता में श्रम विभाग के कार्यों एवं योजनाओं को लेकर आज इंदौर में समीक्षा बैठक आयोजित हुई। बैठक में मंत्री श्री पटेल ने श्रम विभाग के अंतर्गत औद्योगिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा, कर्मचारी राज्य बीमा सेवाएं, मध्यप्रदेश भवन एवं अन्य संनिर्माण कर्मकार कल्याण मण्डल, मध्यप्रदेश असंगठित शहरी एवं ग्रामीण कर्मकार कल्याण मण्डल के कार्यों आदि की समीक्षा की गई।

बैठक में मंत्री श्री पटेल ने कहा कि श्रम विभाग द्वारा संचालित शिक्षा और तकनीकी संस्थाओं में अध्ययनरत श्रमिकों के बच्चे लगातार बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं, जो सुखद संकेत है। राज्य शासन भी संगठित और असंगठित क्षेत्र में कार्यरत श्रमिकों के बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य एवं उनके कल?याण के लिए प्रतिबद्ध है। मंत्री श्री पटेल ने कहा कि भोपाल में स्थित श्रमोदय मॉडल आईटीआई में अध्ययनरत श्रमिकों के सभी बच्चों का प्लेसमेंट शत-प्रतिशत रहा। साथ ही पांच अन्य श्रमिक विद्यालय के बच्चों का प्रदर्शन भी बेहतर रहा। असंगठित क्षेत्र में कार्य करने वाले श्रमिकों के बच्चों का ऑनलाईन पंजीयन तीव्रता से किया जा रहा है। श्रम विभाग से जुड़े औद्योगिक विभाग एवं अन्य विभागों का ऑनलाईन प्रक्रिया शुरू हो गई है। बैठक में मंत्री श्री पटेल ने कहा कि श्रमिकों के बच्चों के लिए नरसिंहपुर में आईटीआई स्थापित होगा। साथ ही 17 स्थानों पर श्रमिक विभाग शालाओं का निर्माण किया जाएगा, जहां भोजन और पेयजल की व्यवस्था रहेगी। असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों एवं उनके परिवार के बच्चों के कौशल प्रशिक्षण पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। साथ ही निर्माण श्रमिकों के लिए संचालित योजनाओं में नवाचार तथा नवीन तकनीक का पूरा उपयोग किया जाएगा। बैठक में बताया गया कि मध्यप्रदेश श्रम विभाग के ई-श्रम पोर्टल पर 1.89 करोड़ श्रमिक पंजीकृत है। वर्ष 2025 में ई-श्रम पोर्टल पर मध्यप्रदेश के 11.74 लाख श्रमिकों का पंजीयन किया गया, जबकि इस वर्ष 2.33 लाख श्रमिकों का पंजीयन किया गया। ई-श्रम पंजीयन में मध्यप्रदेश का देश में चौथा स्थान है। बैठक में मंत्री श्री पटेल ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि श्रमिकों के हित में बनी केन्द्र और राज्य शासन की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ से कोई भी श्रमिक वंचित नहीं रहे।

पूछताछ में इति ने पुलिस से कहा- भूपेंद्र से दोस्ती थी, ब्लैकमेल कभी नहीं किया

इंदौर। पब संचालक भूपेंद्र रघुवंशी की आत्महत्या के मामले में पुलिस ने उसकी मित्र इति तिवारी से पूछताछ की। वह शुक्रवार को थाने में वकील के माध्यम से पेश हुई थी। उधर पुलिस ने भूपेंद्र की पत्नी व परिजनों के बयान भी लिए है।

सुसाइड नोट व परिजनों के बयान के आधार पर पुलिस ने इति तिवारी के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने का केस दर्ज कर लिया है। पूछताछ में इति ने बताया कि उसकी भूपेंद्र से दोस्ती थी। वह एक पार्टी के दौरान उसके पब में मिली थी।

वह एक बडी कंपनी में एचआर मैनेजर है और पति भी मल्टीनेशनल कंपनी में जॉब करते है। वे घर से सक्षम है। उसने भूपेंद्र को कभी ब्लैकमेल नहीं किया। इति अपने साथ अपने बैंक अकाउंट और उसमें हुए ट्रांजेक्शन की जानकारी भी साथ लाई थी और पुलिस को सौंपी।

कलेक्टर ने आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त 6 अपराधियों को किया जिलाबदर

इंदौर। कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी श्री आशीष सिंह ने इंदौर जिला अंतर्गत ग्रामीण थाना क्षेत्र में आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त 6 अपराधियों को 6-6 माह के लिए जिलाबदर कर दिया है। जिन अपराधियों को जिलाबदर किया गया है उनमें महू थाना क्षेत्र अंतर्गत सोनू उर्फ बागड़ू पिता कन्हैया लाल बोरासी निवासी पासीपुरा महू, नीरज पिता राजेंद्र सेन निवासी गुजरखेड़ा महू, सुमित पिता राजेंद्र चौहान निवासी लुनियापुरा महू, आकाश उर्फ पप्पी पिता ड्रेकप्रसाद तिवारी निवासी लुनियापुरा महू तथा बडगोंडा थाना क्षेत्र के रितिक उर्फ रॉकी पिता मांगीलाल निवासी आड़ा पहाड़ और हातोद थाना क्षेत्र के लखन उर्फ पंडिया पिता चैन सिंह बागरी निवासी बागरी मोहल्ला हातोद शामिल है। इनके विरुद्ध आमजनों को अश्लील गालियां देने, मारपीट करने, जान से मारने की धमकी देने, अवैध हथियार रखने, लड़ाई झगड़ा करने, गुंडागर्दी, अवैध वसूली जैसे कई संगीन मामले दर्ज हैं। ये कई वर्षों से लगातार आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त हैं।

अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के अभ्यर्थियों को सहायक प्राध्यापक के साक्षात्कार के लिये दिया जायेगा नि:शुल्क प्रशिक्षण

इंदौर। मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित राज्य सेवा परीक्षा-2022 अर्थशास्त्र विषय हेतु सहायक प्राध्यापक के लिये मॉक इंटरव्यू शीघ्र होना प्रस्तावित है। इस संबंध में प्रशिक्षण हेतु शासकीय परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केंद्र इंदौर द्वारा संपूर्ण मध्यप्रदेश के अनुसूचित जाति एवं जनजाति के साक्षात्कार हेतु पात्र विद्यार्थियों के आवेदन आमंत्रित किए गए है। साक्षात्कार प्रशिक्षण में उन्हीं अभ्यर्थी को सम्मिलित किया जाएगा, जो आयोग द्वारा ली जानी वाली परीक्षाओं के साक्षात्कार हेतु पात्र है। पात्र अभ्यर्थी संस्थान से कार्यालयीन समय में आवेदन प्राप्त कर 10 सितम्बर तक समस्त आवश्यक दस्तावेज के साथ आवेदन जमा कर सकते है। प्रशिक्षण हेतु अभ्यर्थी के परिवार की समस्त स्त्रोतों से वार्षिक आय 6 लाख रूपये या इससे कम होना चाहिए। प्रशिक्षण में अभ्यर्थियों को नि:शुल्क ऑफलाईन प्रशिक्षण दिया जायेगा। प्रशिक्षण का माध्यम हिन्दी रहेगा। आवास सहायता का लाभ नहीं दिया जायेगा। पात्र एवं इच्छुक उम्मीदवार जाति, आय एवं मूल निवासी प्रमाण पत्र एवं अन्य आवश्यक दस्तावेजों सहित व्यक्तिगत रूप में प्रशिक्षण शासकीय परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केंद्र इंदौर में जमा करना सुनिश्चित करें। अधिक जानकारी के लिये शासकीय परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केन्द्र इंदौर के दूरभाष क्रमांक 0731-2920465 पर सम्पर्क किया जा सकता है।

हर खिलाड़ी बनेगा फिटनेस का ब्रांड एंबेसेडर, 10-10 नागरिकों को प्रेरित करने का लें संकल्प- खेल मंत्री श्री सारंग

इंदौर। हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद की 120वीं जयंती राष्ट्रीय खेल दिवस पर खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग ने तात्या टोपे स्टेडियम भोपाल में आयोजित कार्यक्रम में मेजर ध्यानचंद को पुष्पांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि हॉकी के जादूगर, 'पद्म भूषण' मेजर ध्यानचंद ने विश्व हॉकी में भारत का परचम लहराया है। उनका जीवन साहस, अनुशासन और खेल भावना का अद्वितीय उदाहरण है, जो सदैव हम सभी को प्रेरित करता रहेगा। मंत्री श्री सारंग ने खिलाड़ियों को फिट इंडिया की शपथ भी दिलाई।

प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में खेलों के प्रति बना सकारात्मक माहौल- मंत्री श्री सारंग ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देशभर में खेलों का अभूतपूर्व विकास हुआ है। फिट इंडिया मूवमेंट और खेलो इंडिया जैसे अभियानों ने हर आयु वर्ग में खेल और फिटनेस के प्रति नई जागरूकता पैदा की है। खिलाड़ियों को विश्वस्तरीय प्रशिक्षण सुविधाएँ उपलब्ध कराई जा रही हैं, जिससे वे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहे हैं। आज भारत एशियाई खेलों, कॉमनवेल्थ और ओलंपिक जैसी प्रतियोगिताओं में ऐतिहासिक सफलताएँ हासिल कर रहा है और गाँव-गाँव तक खेल संस्कृति को नई पहचान मिल रही है। मंत्री श्री सारंग ने कहा कि पहले के समय में खेल को ज्यादा महत्व नहीं दिया जाता था। प्रदेश में अत्याधुनिक अधोसंरचना, विभिन्न खेलों की अकादमी, प्रशिक्षित प्रशिक्षक और अन्तरराष्ट्रीय स्तर की खेल सुविधाओं के कारण आज मध्यप्रदेश शीर्ष 3 राज्यों में शामिल हो चुका है। अब हमारा लक्ष्य है कि प्रदेश को देश का नंबर एक खेल राज्य बनाया जाए। इसके लिये बेहतर व्यवस्थाओं के साथ ही स्कूल-कॉलेज स्तर से प्रतिभाओं की पहचान कर उन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर तक पहुँचाने की ठोस योजना पर कार्य हो रहा है। मंत्री श्री सारंग ने कहा कि खिलाड़ियों की मेहनत और सरकार के संकल्प से मध्यप्रदेश जल्द ही भारत का अग्रणी खेल राज्य बनेगा।

वन्दे देव उमापतिम सुरगुरुं वन्दे जगत् कारणं, वन्दे पन्नग भूषणं मृग्धरम
वन्दे पशूनाम्पतिम, वन्दे सूर्य शशांक वहिनयनम वन्दे मुकुंदप्रियम,
वन्दे भक्त जनाश्रयम च वरदम वन्दे शिवम् शंकरं !
भूतभावन बाबा श्री महाकालेश्वर भगवान सभी को आरोग्यता प्रदान करें ।

चरक अस्पताल के सामने से अतिक्रमण हटवाने के निर्देश

पुलिस सुरक्षा व्यवस्था के लिए पुलिस चौकि का प्रस्ताव भेजा

उज्जैन । कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह की अध्यक्षता में शनिवार को जिला रोगी कल्याण समिति की कार्यकारिणी समिति की बैठक संपन्न हुई। बैठक में कलेक्टर ने निर्देश दिए कि मातृ एवं शिशु चरक अस्पताल के बाहरी क्षेत्र में अतिक्रमण को स्थाई रुप से हटवाया जाए। चरक अस्पताल में बेहतर पुलिस सुरक्षा व्यवस्था के लिए पुलिस चौकि का प्रस्ताव तैयार कर भेजा जाए ताकि आगे की कार्यवाही सुनिश्चित की जा सके।

बैठक में कलेक्टर ने गत बैठक का पालन प्रतिवेदन एवं विभिन्न बिंदुओं की समीक्षा के दौरान चरक अस्पताल में नवीन स्मार्ट साँची पार्लर लगवाले की मांग पर एसडीएम श्री एल एन गर्ग को स्थान चयन करने के निर्देश दिए। बैठक में चरक अस्पताल को सुरक्षा को दृष्टिगत रखते हुए प्रत्येक प्रभारी वार्ड, एमरजेन्सी ड?पार्टमेंट ,आब्जरवेशन रुम ,सीक्योरिटी गार्ड आदि के लिए वायरलेस सेट सिस्टम क्रय करने की स्वीकृति पर संबंधित स्वास्थ्य अधिकारी को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

अस्पताल में छोटे-मोटे रिपेयरींग, सिविल एवं इलेक्ट्रीकल कार्य करवाए जाने के लिए पीडब्ल्युडी के माध्यम से शासन से स्वीकृति के लिए प्रस्ताव भेजे जाए। बहुत जरुरी कार्य करवाने के लिए अस्पताल प्रशासन स्वयं किसी भी मद से कार्य करवाए। कलेक्टर श्री सिंह ने चरक अस्पताल में भीड़ नियंत्रण के लिए सुव्यवस्थित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। बैठक में अवगत कराया कि अस्पताल में नवीन चादर के क्रय के लिए शासन के नियमों के तहत अनुमति प्राप्त कर कार्यवाही की जाए।

बैठक में एसडीएम श्री एल एन गर्ग ,सिविल सर्जन डॉ संगिता पलसानिया ,डॉ सुनिता परमार, डॉ एचपी सोनानिया सहित चिकित्सक आदि उपस्थित थे।

त्रिस्तुतिक श्रीसंघ नयापुरा समाज ने की सामूहिक क्षमायाचना

तपस्वियों, पौषधवालों, प्रभु की अंगरचना एवं स्नात्र करने वालों के साथ जैन पाठशाला के बच्चों का किया बहुमान

उज्जैन। श्री श्रैयासनाथ राजेंद्र सूरि ज्ञान मंदिर नयापुरा में आचार्यश्री जगतचंद सूरिश्वरजी मसा के शिष्य दिव्यचंद विजयजी मसा एवं जयघोष विजयजी मसा की पावन निश्रा में त्रिस्तुतिक श्रीसंघ नयापुरा समाज का सामूहिक क्षमायाचना कार्यक्रम आयोजित हुआ।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में विधायक अनिल जैन कालूहेड़ा उपस्थित थे। समाजजनों ने एक दूसरे से वर्ष भर में हुई गलतियों के लिए क्षमायाचना की। इस अवसर पर सभी तपस्वियों का एवं पौषधवालों का बहुमान श्रीसंघ द्वारा किया गया। पर्युषण महापर्व पर प्रभु की अंगरचना एवं स्नात्र करने वाले महानुभाव का सम्मान कियागया। जैन पाठशाला के सभी बच्चों का बहुमान किया गया। अतिथि विधायक जैन ने भी सभी समाजजनों से क्षमायाचना की। अतिथियों का स्वागत श्रीसंघ अध्यक्ष सुरेश पगारिया, राजमल चत्तर, कपिल सकलेचा, नवीन गिरिया, प्रकाश गादिया, नवयुवक अध्यक्ष आशीष पीपाड़ा, आनंद चत्तर, महिला परिषद अध्यक्ष सुशीला सकलेचा, लक्ष्मी आचलिया, बहु परिषद अध्यक्ष मंगला डांगी, रेखा चत्तर ने किया। संचालन राजेश पगारिया ने किया एवं आभार अतुल चत्तर ने माना। इस अवसर पर मनीष पीपाड़ा, अशोक चत्तर, निलेश संघवी, गौरव लुक्कड़, विकास गादिया, योगेश पगारिया, सोहन आंचलिया, गजेंद्र सकलेचा, विजय गादिया उपस्थित थे।

महाराजा तुकोजीराव स्मृति सम्मान समारोह में उज्जैन का हुआ बहुमान

उज्जैन। मालवा अकादमी देवास, राजकुल एक्सप्रेस, सिंगिंग फॉर चैरिटी ग्रुप के संयुक्त तत्वावधान में महाराजा तुकोजी राव पवार स्मृति सम्मान समारोह का विशिष्ट आयोजन देवास के तिलक स्मृति हाल में संपन्न हुआ।

सांस्कृतिक, सामाजिक, शिक्षा, क्रीडा साहित्य, काव्य एवं अन्य क्षेत्रों में मालवा का सम्मान राष्ट्रीय अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्थापित करने वाले उज्जैन के स्वामी मुस्कुराके शैलेंद्र व्यास का बहुमान मुस्कुराती संजीवनी अलंकरण से किया गया।

ग्रामीण प्रतिभा खोज 3 किमी क्रॉस कंट्री में दौड़े 300 खिलाड़ी

उज्जैन। मालवा दर्पण खेल एवं शिक्षा विकास संस्था उज्जैन द्वारा राष्ट्रीय खेल दिवस मेजर ध्यानचंद जयंती के उपलक्ष्य में ग्रामीण प्रतिभा खोज 3 कि मी क्रॉस कंट्री दौड़ का आयोजन किया गया। दौड़ में लगभग ग्रामीण क्षेत्रों के 300 खिलाड़ियों ने भाग लिया।

तकशिंदा पब्लिक स्कूल के संयोजन में आयोजित दौड़ में बालक वर्ग में प्रथम स्थान हर्ष मालवीय, द्वितीय आयुष चौहान तथा तृतीय हर्षित लोहाना ने प्राप्त किया। वहीं बालिका वर्ग में प्रथम स्थान रोशनी योगी, द्वितीय तमन्ना परमार तथा तृतीय फ़रीम मेव ने प्राप्त किया। विजेताओं को मुख्य अतिथि तकशिंदा स्कूल प्रतिनिधि योगेश विश्वकर्मा एवं संस्था के पदाधिकारियों द्वारा नकद पुरस्कार मेडल एवं शील्ड द्वारा सम्मानित किया गया। संस्था के कोषाध्यक्ष सतीश गोठी ने बताया कि हम लगभग 4 वर्ष से ऐसे खेल आयोजन कर रहे हैं। संस्था द्वारा कई खिलाड़ी राज्य एवं राष्ट्रीय प्रतियोगिता में भाग ले रहे हैं। संस्था के सचिव रवि पाटीदार ने अपने उद्बोधन में बताया कि हम गांव से ग्रामीण प्रतिभाओं को खोज कर उच्च स्तर पर ले जाने का कार्य कर रहे है तथा उनके लिए हमारी भविष्य की योजनाएं है की संस्था द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में ही खेल प्रशिक्षण के लिए सेंटरों का निर्माण किया जाए एवं विशिष्ट प्रशिक्षक की व्यवस्था की जाए तथा खिलाड़ियों के लिए आर्थिक सहायता देने के लिए स्कॉलरशिप देने की योजना बनाई जाए।

श्री गुरु रविदास विश्वमहापीठ भारत मध्यप्रदेश की कार्यकारणी के साथ जिलाध्यक्ष किये घोषित

उज्जैन। श्री गुरु रविदास विश्वमहापीठ मध्य प्रदेश की बैठक उज्जैन में महापीठ के संरक्षक पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ सत्यनारायण जटिया एवं महापौर मुकेश टटवाल के मुख्य आतिथ्य में एवं प्रदेश अध्यक्ष ओमप्रकाश मोहने की अध्यक्षता मे संपन्न हुई। जिसमें नवनियुक्त प्रदेश पदाधिकारी एवं जिलाध्यक्षों को नियुक्ती पत्र प्रदान कर महापीठ के कार्यो को जन जन तक पहुचाने का आग्रह किया।

श्री गुरु रविदास विश्वमहापीठ मध्यप्रदेश के वरिष्ठ उपाध्यक्ष रमेशचंद्र सुर्यवंशी ने बताया कि श्री गुरु रविदास विश्वमहापीठ भारत के संरक्षक पुर्व केंद्रीय मंत्री के मार्गदर्शन में राष्ट्रीय अध्यक्ष महामण्डलेश्वर रविदासाचार्य सुरेश राठौर के निर्देशानुसार प्रदेश अध्यक्ष ओमप्रकाश मोहने ने मध्य प्रदेश की प्रदेश कार्यकार्यणी एवं जिलाध्यक्षो के साथ विशेष आमंत्रित सदस्य घोषित किये। इनमें प्रदेश अध्यक्ष ओमप्रकाश मोहने, उपाध्यक्ष रमेशचंद्र सुर्यवंशी दताना, अम्बाराम राजोरिया शाजापुर, सुषमा आर्य मंदसौर, डॉ धर्मेन्द अहिरवार टीकमगढ़, चन्द्रप्रकाश अहिरवार गुना, लक्ष्मण सिंह डामोचा राजगढ़ धार, महेश मकवाना भोपाल, कोषाध्यक्ष राकेश गोयल, सह कोषाध्यक्ष विक्रम परमार, महामंत्री वृंदावन अहिरवार सागर, एड. किशन अहिरवार भोपाल, संतोष पंचोली देवास, भगवान दास अहिरवार विदिशा, मंत्री प्रो. संघमित्रा कुरील दतीया, डॉ मोहन मकवाना आगर, वीरेन्द्र अहिरवार दमोह, ओमप्रकाश टिटारे बेतुल, लच्छीराम नागरे खरगोन, राजेश तेनगुनिया इंदौर, मुकेश सुर्यवंशी खलिफा उज्जैन, जगदीश जाटव झाबुआ, महेश अहिरवार गुना, प्रवक्ता रोहित परमार प्रतापनगर घटीया, मीडीया प्रभारी जगदीश गुजराती उज्जैन, सहमीडीया प्रभारी सुरेश सिसोदिया धार, कार्यालय प्रभारी कैलाशचन्द्र सुर्यवंशी उज्जैन, सहप्रभारी कन्हैयालाल वर्मा नलखेडा आगर, आईटी प्रभारी आत्माराम मेगवंशी उज्जैन बनाये गये। वहीं जिलाध्यक्षगण में नगर उज्जैन अजय राठौर पवासा, उज्जैन ग्रामीण नारायण सिग राठोर मेरगड, आगर डॉ नारायण सिंह बगाना कुंडलाखेडा, शाजापुर राकेश चोहान, बडवानी मुकेश बडके, खरगोन कृपाराम भार्गव, देवास प्रेम बालोनिया, दमोह नरोत्तम दिन, मंदसौर मगनलाल सुर्यवंशी, रतलाम बालाराम रारोतिया, बेतुल राजू ईगले, गुना श्रीराम जाटव, इंदौर नगर मुकेश जाटव, इन्दौर ग्रामीण सुरेश वर्मा, सीहोर अम्बाराम प्रहलादिया, जबलपुर गोपाल चौधरी, नर्मदापुरम विवेक जाटव, ब्यावरा रामबाबू वर्मा आदि।

निगम कर्मचारी श्री राजपूत के स्वास्थ्य की जानकारी लेने घर पहुंचे महापौर

उज्जैन। महापौर श्री मुकेश टटवाल द्वारा शनिवार को नगर निगम में माल विभाग प्रभारी अधिकारी श्री जयसिंह राजपूत के निवास पहुंचकर स्वास्थ्य की जानकारी ली गई। माल विभाग में कार्यरत श्री जयसिंह राजपूत जी का विगत कई दिनों से स्वास्थ्य खराब था साथ ही बीमारी के चलते ऑपरेशन भी करवाया गया स्वास्थ्य खराब होने की सूचना मिलने पर महापौर की मुकेश टटवाल द्वारा श्री राजपूत जी के निवास पहुंचकर उनका हालचाल जाना।

स्वामी हिन्दकुश मीडिया के लिए संपादक, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती सीमा वशिष्ठ द्वारा 124, महाश्वेता नगर उज्जैन, (म.प्र.) से प्रकाशित तथा 6 निर्माण नगर उज्जैन, (म.प्र.) से मुद्रित, मो. 09826322221, परम चैतन्य 09329640700 Email : hindkushmedia@gmail.com